वैशाख शुक्ल पक्ष- 9, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 289 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

25 अप्रैल 2026 शनिवार

आज का मौसम

41.6 अधिकतम

26.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

मोदी की दरियादिली और मोहन की कोशिश... अब नौकरशाही के लिए परीक्षा की घड़ी

मध्यप्रदेश में अभी तक बेहद सुस्त चाल से चल रही गेहूं की खरीदी से पीड़ित किसानों के लिए अब कुछ राहत भरी खबर आई है।

समाचार विश्लेषण

राजेश सिरोठिया

दस साल में पहली बार गेहूं की जो बंपर पैदावार किसानों के लिए अभिशाप बनती दिख रही थी, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दरियादिली दिखाते हुए वरदान में तब्दील करने की सार्थक कोशिश की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के लगातार प्रयासों और देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल के चलते अब केंद्र सरकार ने प्रदेश से 78 लाख टन के बजाए पूरे एक करोड़ मीट्रिक टन खरीदी का आदेश जारी कर दिया है। इससे मुख्यमंत्री के खिलाफ बनते नैरेटिव पर

लगाम तो लगी है पर अब कसौटी पर उनका तंत्र यानी नौकरशाह हैं, जिन्हें नई बाधाएं खड़े करने से बचते हुए समय रहते खरीदी पूरी करना है। प्रदेश में बार एक करोड़ 20 लाख टन से ज्यादा गेहूं पैदा हुआ है। प्रदेश की आर्थिकी यानि जीडीपी में 65 फीसदी से ज्यादा की भागीदारी खेती की है। इसलिए गेहूं खरीदी राजनीतिक स्थिरता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। भारत सरकार से प्रदेश को पहले मात्र 78 लाख टन गेहूं खरीदी की मंजूरी मिली थी जिसमे समर्थन मूल्य 2625 रूपए रखा गया। लेकिन, ईरान की जंग के चलते पाली प्रोपेलीन से बनने वाले प्लास्टिक बैग की

मोहन यादव के वादे, तंत्र की बेरूखी और भाजपा की दरकती जमीन

10 अप्रैल को दोपहर मेट्रो में प्रकाशित विश्लेषण।

किल्लत बढ़ी और जूट की बोरियों की सप्लाई में भी देरी हुई जिससे गेहूं खरीदी की प्रक्रिया में अड़चन आई। चार संभागों (इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम) के जिलों में 9 अप्रैल से खरीदी का काम शुरू हुआ तो बाकी संभागों में 15 अप्रैल से । दिक्कत इसलिए शुरू हुई क्योंकि अफसरों ने 19लाख किसानों में से 11 लाख छोटे किसानों से खरीदी पूरी होने तक सभी संभागों के मझोले किसानों को होल्ड पर रख दिया । एक छड़ी से सभी को हांकते हुए उन चार संभागों में मझोले किसानों की स्लॉट बुकिंग रोकी गई, जहां छोटे किसानों का गेंहू गोदामों में पहुंच चुका था। इस बीच खरीदी की तारीख बढ़ने के साथ किसानों की बिना ब्याज कर्ज चुकाने की मोहलत 31 मार्च से आगे नहीं बढ़ी । शरबती गेहूं के निर्यात में बाधा के चलते मांग हुई तो लोकमन जैसे गेहूं उत्पादक किसानों को भी अपनी आर्थिक जरूरतों की खातिर कृषि मंडियों में व्यापारियों को औने पौने दामों में गेहूं बेचना पड़ा। मझौले और खासतौर से बड़े किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें इस आशंका से गहरी हो रहीं थी कि कहीं 78 लाख टन की खरीदी पूरी होते ही एमएसपी पर खरीदी न रुक जाए। इन हालात की जानकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री ने पहुंचाई। साथ में उनके (मोदी-शाह के) अपने फीडबैक तंत्र ने भी स्थिति बयान की । इसके बाद ही मोदी ने हस्तक्षेप करते हुए किसानों को 22 लाख टन की अतिरिक्त खरीदी की मंजूरी देकर बड़ी राहत दे दी।

नीतिगत गड़बड़ी से उठते सवाल और सामने खड़ी असली चुनौती

सर्वर धीमा होने से छोटे किसान भी परेशान हुए तो सवाल यह भी उठा कि अगर सबसे पहले छोटे किसानों से ही खरीदी करनी थी, तो पूरे प्रदेश में खरीदी की एक साथ शुरुआत क्यों नहीं की गई ? यह प्रशासनिक विरोधाभास का विडंबनापूर्ण नमूना था। तंत्र में तालमेल की कमी और प्रशासनिक जड़ता भी दिखी। बेशक केंद्र से अनुमति मिलना एक उपलब्धि है, लेकिन क्या राज्य का सिस्टम अब 100 लाख टन खरीदी को प्रभावी ढंग से संभाल पाएगा? मोदी का फैसला और मोहन यादव तथा शिवराज सिंह चौहान की मेहनत का सिला किसानों को तभी मिलेगा जब खरीदी की प्रक्रिया में शिथिलता दूर कर ज़मीन पर यह तेजी से और पारदर्शिता से लागू हो। अगर सिस्टम नहीं सुधरा, तो नेताओं की मेहनत पर पानी फिरेगा। खरीदी का लक्ष्य पूरा नहीं हुआ तो किसान फिर बाजार के भरोसे घाटा उठाएगा।

न्यूज विंडो

केजरीवाल ने पंजाब में भी बनाया शीशमहल : प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली। भाजपा नेता और दिल्ली कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने एक बार फिर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोला है। वर्मा ने केजरीवाल की तुलना फिल्म 'धुरंधर' के 'रहमान डकैत' से करते हुए कहा कि उन्होंने दिल्ली के बाद अब पंजाब में भी दूसरा शीशमहल बना लिया है। प्रवेश वर्मा ने कहा कि दिल्ली चुनाव हारने के बाद केजरीवाल पंजाब चले गए। वहां मुख्यमंत्री भगवंत मान के सरकारी आवास के आस-पास चार घरों पर केजरीवाल, सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह ने कब्जा कर लिया। केजरीवाल ने वहां दूसरा शीशमहल तैयार कर लिया।

वेदांता प्लांट धमाका, मानव अधिकार आयोग का नोटिस

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले स्थित वेदांता पावर प्लांट में हुए बायलर हादसे ने अब राष्ट्रीय स्तर पर तूल पकड़ लिया है। इस हादसे में अब तक 25 श्रमिकों की जान जा चुकी है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने घटना का संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव (सीएस) और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी किया है। आयोग ने दोनों अधिकारियों से दो सप्ताह के भीतर मामले की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

के. कविता ने अपनी राजनीतिक पार्टी लॉन्च की

हैदराबाद। तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव की बेटी और बीआरएस की पूर्व नेता के कविता ने आज अपनी पार्टी लॉन्च कर दी है। के कविता की पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र सेना है। महीनों पहले के कविता को उनके ही पिता की पार्टी बीआरएस से निलंबित कर दिया गया था। के कविता को बीते साल बीआरएस से निलंबित किया था।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा गोलीबारी में तीन की मौत

उखरुल। मणिपुर के उखरुल जिले में एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जिससे राज्य में तनाव और गहरा गया है। गौरतलब है कि मणिपुर पहले से ही मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष से जूझ रहा है। अब उखरुल में नगा और कुकी समुदायों के बीच हिंसा की खबर सामने आ रही है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, तड़के उखरुल जिले के सीनाकेइथेई गांव के पास तांगखुल नगा और कुकी समुदाय के सशस्त्र समूहों के बीच भीषण गोलीबारी शुरू हुई।

आज का कार्टून

गर्मी का सितम... आने वाले दिनों में और बढ़ेगी तपिश

भीषण गर्मी से देश बेहाल, कई राज्यों में स्कूल बंद, एमपी में अभी इंतजार

प्रदेश के 20 जिलों में आज लू का अलर्ट, केरल में सेल्फ लॉकडाउन की अपील

नई दिल्ली /तिरुअनंतपुरम/भोपाल. एजेंसी

पूरा देश इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में आ चूका है। कई हिस्सों में लू का असर तेज होता जा रहा है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में सबसे ज्यादा तापमान 45.2 डिग्री दर्ज किया गया जबकि महाराष्ट्र के अकोला में पारा 45 और अमरावती में 44.8 डिग्री रहा। उत्तर प्रदेश के 60 और मध्यप्रदेश के 20 जिलों में लू का रेड अलर्ट है। गर्मी से पहाड़ी राज्य भी अछूते नहीं हैं। हिमाचल प्रदेश के तीन जिलों में हीटवेव चल रही है। यहां ऊना का तापमान 41.1एष्ट पहुंच गया है। केरल में सीएम ने लोगों से दिन में 11 से 3 बजे के बीच बाहर न निकलने और सेल्फ लॉकडाउन का पालन करने को कहा है।

मध्यप्रदेश में गर्मी के तीखे तेवरों के बावजूद भोपाल समेत कई जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित नहीं की गई है। यहां टाइमिंग जरूर घटाई गई, लेकिन बच्चे दोपहर में ही घर पहुंच पाते हैं। मौसम केंद्र भोपाल, ने आज ग्वालियर, उज्जैन

समेत 20 से ज्यादा जिलों में लू की चेतावनी जारी की है। भोपाल में 41.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। आज जिन जिलों में लू का अलर्ट है, उनमें ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, उमरिया, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, रतलाम, उज्जैन, झाबुआ, धार और आलीराजपुर शामिल हैं। बाकी जिले भी गर्म रहेंगे। यहां पारा 40 डिग्री के ऊपर ही बना रहेगा। वर्तमान में छतरपुर जिला सबसे गर्म है। यहां के दो शहर- खजुराहो और नौगांव सबसे गर्म बने हुए हैं। खजुराहो में तापमान 44 डिग्री के करीब पहुंच गया जबकि नौगांव में 43.5, रतलाम में 43.2 रहा। गर्मी का असर बढ़ते ही मौसम विभाग ने बचाव की एडवायजरी भी जारी की है। लोगों से कहा गया है कि वे दिनभर पर्याप्त पानी पीएं और शरीर को हाइड्रेट रखें। दोपहर के समय लंबे समय तक धूप में न रहें।

यूपी में 11 से 4 मजदूरों का काम बंद

उत्तर प्रदेश के आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी में दोपहर 12 से 4 बजे मजदूरों के काम पर रोक लगा दी गई है। ओडिशा में 18 शहरों में पारा 40 डिग्री पार कर गया है। सरकार सोमवार से राज्य के सभी स्कूल बंद करने की घोषणा की है। छत्तीसगढ़ में भी स्कूल बंद किये गए हैं। केरल में सीएम ने लोगों से दिन में 11 से 3 बजे के बीच बाहर न निकलने की सलाह दी है। उन्होंने सेल्फ लॉकडाउन को अपनाने के लिए कहा है।

अमेरिका-ईरान की सीधी बातचीत पर संशय, बिचौलिये के जरिये रखेंगे अपनी बात

वाशिंगटन/तेहरान। एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में बातचीत के लिए ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस्लामाबाद पहुंच चुके हैं। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर को वहां भेजा है जो आज पहुंचेंगे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस बार पाकिस्तान नहीं गए हैं, उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया है। जरूरत पड़ने पर वे इस्लामाबाद जा सकते हैं। दूसरी तरफ संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ भी इस बातचीत में शामिल नहीं हो रहे हैं। वे 11-12 अप्रैल को अमेरिका-ईरान की पहली बातचीत में डेलिगेशन के प्रमुख थे।

व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी डेलिगेशन पाकिस्तान में ईरान के साथ सीधे शांति वार्ता करेंगे। लेकिन ईरान की तरफ से अलग बयान आया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि ऐसी कोई बैठक तय ही नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान अपनी बात सीधे अमेरिका से नहीं, बल्कि पाकिस्तान के अधिकारियों के जरिए पहुंचाएगा। यानी बातचीत अगर होगी भी, तो आमने-सामने नहीं बल्कि बीच में पाकिस्तान मध्यस्थ का काम करेगा। यानी एक तरफ अमेरिका बातचीत की बात कर रहा है, दूसरी तरफ ईरान साफ इनकार कर रहा है। पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान और अमेरिका के बीच 11-12 अप्रैल को इस्लामाबाद में पहले दौर की बातचीत हुई थी। 21 घंटे तक यह वार्ता चलने के बावजूद नाकाम हो गई थी। दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट पर कंट्रोल और न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी।

दूसरे चरण के चुनाव से पहले ईडी की बड़ी कार्रवाई

कोलकाता समेत नौ ठिकानों पर छापेमारी, राशन घोटाले में जांच जारी

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के चुनाव से पहले कोलकाता में राशन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। अधिकारियों के अनुसार, एजेंसी ने शहर के कई इलाकों में एक साथ छापेमारी शुरू की है। कोलकाता, बर्धवान और उत्तर 24 परगना के हाबरा में सप्लायरों और निर्यातकों से जुड़े 9 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया।

यह कार्रवाई उस जांच का हिस्सा है, जो राशन वितरण प्रणाली में कथित अनियमितताओं और उससे जुड़े वित्तीय लेनदेन की गहराई से पड़ताल कर रही है। ईडी की टीमों ने अलग-अलग ठिकानों पर दस्तावेज और वित्तीय

रिकॉर्ड खंगालने की प्रक्रिया शुरू की है। इस मामले में ईडी ने पश्चिम बंगाल पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर के आधार पर अपनी जांच शुरू की। यह एफआईआर 23 अक्टूबर 2020 को बशीरहाट पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। एफआईआर घोझाडांगा एलसीएस के सीमा शुल्क उपायुक्त की शिकायत पर दर्ज की गई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि कल्याणकारी योजनाओं के लिए तय सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के गेहूं की बड़े पैमाने पर हेराफेरी की गई है।

अक्षय की बेटी से न्यूड तस्वीरें मांगने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की बेटी से न्यूड तस्वीरें मांगने से जुड़े मामले में महाराष्ट्र की साइबर पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। महाराष्ट्र साइबर पुलिस के ADGP यशस्वी यादव ने यह जानकारी दी। वे मुंबई के आर.डी. नेशनल कॉलेज में साइबर अवेयरनेस पर एक स्पेशल सेशन में बोल रहे थे। हालांकि, गिरफ्तारी कब हुई उन्होंने यह नहीं बताया। यादव ने बताया कि अक्षय की बेटी ने अपने परिवार को बताया, जिसके बाद मामला साइबर पुलिस तक पहुंचा। अक्षय कुमार का अक्टूबर 2025 का वीडियो भी चलाया गया, जिसमें उन्होंने इस घटना का जिक्र किया था।

स्कार्पियो डिवाइटर से टकराकर ट्रेलर से भिड़ी

बेटी की शादी से घर लौट रहा परिवार हादसे का शिकार, पांच लोगों की मौत

मऊ, एजेंसी

बेटी की शादी संपन्न कर घर लौट रहे एक ही परिवार के तीन सदस्यों समेत पांच लोगों की देर रात दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा दोहरीघाट थाना क्षेत्र के कुसुम्हा बशारतपुर के पास गोरखपुर-वाराणसी फोरलेन पर हुआ, जहां तेज रफ्तार स्कार्पियो डिवाइडर से टकराने के बाद दूसरी लेन में जा रहे ट्रेलर से भिड़ गई।

जानकारी के अनुसार, गोरखपुर जिले के खोराबार थाना क्षेत्र के रानीडीहा निवासी विनय श्रीवास्तव (60) अपनी बेटी की शादी के लिए झारखंड के रांची गए थे। विवाह संपन्न होने के बाद वह पत्नी अर्चना श्रीवास्तव (58), इकलौते बेटे कृतार्थ श्रीवास्तव (27) के साथ स्कार्पियो से घर लौट रहे थे। वाहन को बिहार के गया निवासी चालक पुरुषोत्तम (47) चला रहा था, जबकि दूसरा चालक नितीश (46) पीछे बैठा था। परिवार के साथ उनका पालतू कुत्ता भी मौजूद था।

मेट्रो एंकर

सुप्रीम कोर्ट का फैसला... 15 वर्षीय लड़की को मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी की इजाजत

नाबालिग पर मातृत्व नहीं थोप सकते, 7 माह के गर्भपात की अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम् फैसले में कहा कि किसी महिला को केवल इस आधार पर अवांछित गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता कि जन्म के बाद बच्चे को गोद दिया जा सकता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में सबसे अहम गर्भवती महिला की इच्छा, गरिमा और मानसिक - शारीरिक कल्याण है, न कि केवल अजन्मे बच्चे के भविष्य की संभावना। कोर्ट ने नाबालिग की 7 माह से अधिक गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति देते हुए यह टिप्पणी की। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने 15 वर्षीय लड़की को मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी की अनुमति दी। नाबालिग सात महीने से अधिक की गर्भवती है।

कोर्ट ने कहा, खासकर नाबालिग को उसकी स्पष्ट इच्छा के विरुद्ध गर्भ को पूर्ण अवधि तक ढोने के लिए बाध्य करना गंभीर मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक आघात पहुंचा सकता है। यह कहना आसान है कि यदि गर्भवती महिला बच्चे का पालन-पोषण नहीं करना चाहती तो वह जन्म के बाद उसे गोद दे सकती है, पर यह तर्क ऐसे मामलों में स्वीकार्य नहीं हो सकता जहां गर्भावस्था स्वयं अवांछित हो। महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर करना उसके कल्याण को नजरअंदाज करना होगा और उसे अजन्मे बच्चे के हितों के अधीन कर देगा। इस मामले में नाबालिग की इच्छा, मानसिक स्वास्थ्य और गरिमा सर्वोपरि मानी गई। साथ ही अवांछित गर्भ जारी रखना अनुच्छेद 21 का उल्लंघन मानते हुए महिला का शरीर और फैसला उसका अधिकार माना गया। कोर्ट ने कहा कि गर्भ जारी रखने का दबाव मानसिक - शारीरिक आघात पहुंचा सकता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि टर्मिनेशन से मां और बच्चे दोनों के जीवन को खतरा हो सकता है। जस्टिस नागरत्ना ने इस तर्क पर सवाल उठाते हुए कहा पूछा कि यदि नाबालिग गर्भ जारी रखने को तैयार ही नहीं है, तो अदालत उसे ऐसा करने के लिए कैसे बाध्य कर सकती है।

मजबूत होगा नाबलिगों का अधिकार

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि गर्भावस्था के कारण नाबालिग गंभीर मानसिक तनाव से गुजर रही है, उसकी पढ़ाई प्रभावित हुई है और हर दिन उसके तथा परिवार के लिए बेहद पीड़ादायक रहा है। अदालत ने यह भी नोट किया कि लड़की ने गर्भ जारी रखने से साफ इनकार किया है और उसमें आत्महत्या के प्रयास जैसे मनौवैज्ञानिक संकट के संकेत भी दिखाई दिए है। सुप्रीम कोर्ट के इस इस अहम फैसले से महिलाओं, खासकर नाबालिगों को अपनी इच्छा और स्वास्थ्य के अनुसार निर्णय लेने का अधिकार मजबूत होगा। इससे उन्हें अनचाही गर्भावस्था ढोने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकेगा। इससे मानसिक तनाव, सामाजिक कलंक, पढ़ाई में बाधा और शारीरिक जोखिम कम होंगे। यह सुरक्षित और कानूनी गर्भपात की पहुंच बढ़ाएगा, अवैध केंद्रों पर जाने की मजबूरी घटाएगा और गरिमा, निजता तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता की संवैधानिक सुरक्षा को मजबूत करेगा।

घरेलू गैस सिलेंडर की अवैध रिफिलिंग करने वालों के खिलाफ सख्ती

गैस कालाबाजारी पर एक्शन, अवैध रिफिलिंग करते 6 धरे, एजेंसी निलंबित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और अवैध रिफिलिंग करने वालों के खिलाफ खाद्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने अलग-अलग मामलों में दोषियों के खिलाफ थानों में एफआइआर दर्ज कराने की तैयारी पूरी कर ली है। साथ ही अनियमितता पाए जाने पर एक गैस एजेंसी को निलंबित कर दिया गया है।

फूड कंट्रोलर चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि अप्रैल माह में किए गए निरीक्षण के दौरान बैरागढ़ चीचली निवासी राजू मेवाड़ा को अवैध भंडारण, जहांगीराबाद के सलमान खान को कालाबाजारी और श्याम सिंह को गैस के अवैध परिवहन करते पकड़ा गया था। इन तीनों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत केस दर्ज कराया जा रहा है।

इसी तरह कोलार क्षेत्र में नितेश पराड़कर, सनी और ऋषिराज कुशवाहा को अवैध रिफिलिंग करते हुए पकड़ा गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए विभाग ने मेसर्स सिद्धार्थ गैस एजेंसी को निलंबित कर दिया है और इसके उपभोक्ताओं को मेसर्स रघु इंडेन गैस एजेंसी से जोड़ दिया गया है। इसके अलावा गैस से संबंधित 14 अन्य प्रकरणों में भी दोषियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। विभाग की इस कार्रवाई से अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच हुआ है।

फिनिक्स गैस एजेंसी पर खाद्य विभाग का छापा, 3000 सिलेंडर गायब

राजधानी की गैस एजेंसियों में चल रही सिलेंडरों की किल्लत और कालाबाजारी के बीच खाद्य विभाग ने जेके रोड स्थित फिनिक्स एचपीसीएल गैस एजेंसी पर शिकंजा कसा है। एजेंसी के संचालक और रिटायर्ड सहायक आपूर्ति अधिकारी बीपी शर्मा के खिलाफ विभाग अब एफआइआर दर्ज कराने की तैयारी में है। चार दिनों तक चली विस्तृत जांच में यहां करीब तीन हजार सिलेंडरों की भारी गड़बड़ी सामने आई है। जिला आपूर्ति नियंत्रक जादौन ने बताया कि केवल फिनिक्स ही नहीं, बल्कि सिद्धार्थ गैस एजेंसी में भी 50 सिलेंडरों की गड़बड़ी मिलने पर उसे सस्पेंड कर दिया गया है। वहां के उपभोक्ताओं को अब रघु इंडेन गैस एजेंसी से जोड़ा गया है। इसके अलावा बैरागढ़ चीचली, जहांगीराबाद और अन्य इलाकों में अवैध रिफिलिंग और परिवहन करने वालों पर भी थानों में केस दर्ज कराए जा रहे हैं। विभाग की इस सख्ती के बावजूद कई एजेंसियों पर अब भी सिलेंडरों की भारी किल्लत बनी हुई है। जांच दल को मौके पर 350 घरेलू और 350 कमर्शियल सिलेंडर कम मिले हैं। इसके अलावा पांच किलो वाले करीब दो हजार छोटू सिलेंडर भी स्टाक से गायब पाए गए। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि 40 से अधिक उपभोक्ता ऐसे मिले, जिनके मोबाइल पर सिलेंडर डिलीवरी का मैसेज तो पहुंच गया, लेकिन उन्हें वास्तव में सिलेंडर मिला ही नहीं। विभाग ने संचालक को नोटिस जारी कर एक हफ्ते में जवाब मांगा है, जिसके बाद मामला एडीएम सुमित पांडे की कोर्ट में पेश किया जाएगा।

भोपाल-रामगंज मंडी रेल लाइन निर्माण में तेजी

निशातपुरा केबिन से श्यामपुर तक 42 किमी का काम पूरा, शेष 234 किमी अगले साल तक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश एवं राजस्थान को सीधे रेल नेटवर्क से जोड़ने वाली भोपाल-रामगंज मंडी नई रेल लाइन परियोजना में निशातपुरा डी केबिन से श्यामपुर स्टेशन तक 42 किमी का कार्य पूरा हो चुका है। शेष 234 किलोमीटर का निर्माण वर्ष 26-27 तक पूरा हो जाएगा। भोपाल से रामानागुंज तक कुल परियोजना 276 किलोमीटर लंबी है, जिसकी अनुमानित कुल लागत 3,035 करोड़ है। पमरे के अधिकारियों के अनुसार कुल 276 किलोमीटर लंबी परियोजना में निशातपुरा डी केबिन से ब्यावरा तक 111 किलोमीटर का रेलखंड भोपाल के अधीन आता है। शेष रामगंजमंडी से नरसिंहपुर तक 165 किलोमीटर का खंड कोटा मंडल के अधीन आता है। इसमें कुल 4 टनल, 4 महत्वपूर्ण ब्रिज, 34 मुख्य ब्रिज एवं 171 अंडरपास शामिल है।

187 किलोमीटर का कार्य पूर्ण- बता दें कि परियोजना में अब तक 187 किलोमीटर का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसमें भोपाल में निशातपुरा डी केबिन से श्यामपुर 42 किमी एवं कोटा मंडल में 145 किमी रामगंजमंडी से राजगढ़ तक का कार्य पूरा हो चुका है। शेष 89 किलोमीटर का कार्य कुरावर-श्यामपुर, सोनकच्छ- नरसिंहगढ़, ब्यावरा-सोनकच्छ वित्तीय वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य है।

नए रेल लाइन से ये होगा फायदा : यह परियोजना मध्यप्रदेश एवं राजस्थान दो राज्यों के 5 जिलों कोटा, झालावाड़, राजगढ़, सीहोर एवं भोपाल को प्रत्यक्ष रूप से जोड़ती है। राजस्थान के झालावाड़ स्थित कालीसिंध थर्मल पावर प्लांट के लिए कोयले की ढुलाई में यह मार्ग अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। वर्तमान में प्रयुक्त रूठियाई-ब्यावरा-झालावाड़ 215 किमी की तुलना में यह नया मार्ग 42 किलोमीटर कम होगा। रूठियाई, कोटा, रामगंज मंडी, झालावाड़ 257 किमी मार्ग के माध्यम से जयपुर से दक्षिण भारत जाने वाली मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का रूट लगभग 115 किलोमीटर कम हो जाएगा, जिससे यात्रा समय में लगभग 3 घंटे की बचत होगी। इस परियोजना से मध्यप्रदेश के आंतरिक जिलों जैसे शाजापुर, राजगढ़, गुना आदि की आबादी को सीधे राज्य की राजधानी भोपाल से जोड़कर क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को सशक्त आधार मिलेगा।

पश्चिम मध्य रेलवे ने किया सेवा के लिए पुरस्कृत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल रेल मंडल ने शुक्रवार को नर्मदा क्लब में आयोजित 70 वें रेल सप्ताह समारोह 2026 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 12 संस्थानों और 43 कर्मचारियों अंतर्गत रेल सेवा पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक व लोकनृत्य प्रस्तुति की प्रस्तुति की।

डीआरएम पंकज त्यागी ने ये पुरस्कार दिए। समारोह में विभिन्न श्रेणियों में शील्ड प्रदान की गयी। उत्तम रख-रखाव के लिए स्टेशन ब्यावरा-राजगढ़, सर्वोत्तम इंजीनियरिंग डिपो एसएसई पूर्व उत्तर विदिशा, सर्वोत्तम डिपो (यांत्रिक/विद्युत) डीजल लोको शेड, इटारसी, स्पाट रख-रखाव वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर, कैरिज एंड वैगन भोपाल, बड़े स्टेशन स्थित कॉलोनी का सर्वोत्तम रख-रखाव, बीना

12 संस्थानों व 43 कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य का मिला पुरस्कार

स्टेशन, रोड साइड स्टेशन कॉलोनी आदि शामिल हैं। चयनित 43 कर्मियों में से 13 विभागों के है। इनमें इंजीनियरिंग से 9 कर्मचारी संजय धारे, पिंकी भांझी, कपिल भावसा, सुनील कुमार, संजय कुमार चढोकार, राजीव कुमार पाराशर, अनस खान, गौरव राठौर, सतीश कुमार, परिचालन से 6 इब्राहिम खान, राजकुमार शर्मा, नृपेन्द्र सिंह, कमलेश कुमार, रिज़वान मोहम्मद, राकेश कुमार राय, यात्रिंक डीजल शेड इटारसी से 2 कर्मचारी पवन प्रजापति, अशोक कुमार, यात्रिंकी से 3 कर्मचारी सचिन, आशीष, सिद्धार्थ तिवारी, कार्मिक/ अकार्मिक विभाग से 3 कर्मचारी शबीना अली, शिवराज मीना, सन्त्री ए मैथ्यू, टीआरओ से 4 कर्मचारी कमल किशोर पाटीदार, धर्मेंद्र कुशवाह, आनंद राव डोंगरे, अशोक कुमार अहिरवार, विद्यत सामान्य विभाग से 2 कर्मचारी राकेश वर्मा, संजय मालवीय आदि शामिल है।

भोज में 'साइबर सुरक्षा' पर व्याख्यान

भोपाल। भोज (मुक्त) विवि में साइबर सुरक्षा' पर जागरुकता व्याख्यान आयोजित किया गया। नारी शक्ति वंदन' पखवाड़ा के तहत यह कार्यक्रम आईआईसी व इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा किया था। जहां विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों एवं विद्यार्थियों को डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति आगाह किया। यहां सम्राट अशोक प्रौद्योगिकी संस्थान, विदिशा की विशेषज्ञ डॉ. शैला चुघ ने मुख्य वक्ता के रूप में 'संचार साथी' ऐप और उसके अंतर्गत 'चक्षु' फीचर तथा अन्य मोबाइल सुरक्षा ऐप्स के उपयोग के माध्यम से डिजिटल सुरक्षा बढ़ाने के उपाय भी बताए। निदेशक डॉ. रतन सूर्यवंशी ने वर्तमान सरकार द्वारा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' की सराहना करते हुए कहा कि डिजिटल दुनिया में बढ़ती निर्भरता के साथ जोखिम भी बढ़ रहे हैं।

अरेरा कॉलोनी सब स्टेशन से बिजली व्यवस्था होगी मजबूत

गर्मी में बढ़ती मांग को देखते हुए की पहल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी की विद्युत आपूर्ति को अधिक विश्वसनीय बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने 132 केवी जीआईएस सबस्टेशन, ई-8 अरेरा कॉलोनी की क्षमता बढ़ाकर 70 मेगावाट कर दी है।

बताया गया कि कंपनी एमपी ट्रांसको के सहयोग से अरेरा कॉलोनी में 20 एमवीए का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर सफलतापूर्वक स्थापित कर उसे ऊर्जीकृत किया गया।

गर्मी के मौसम में बढ़ती बिजली मांग को देखते हुए यह पहल की गई है, जिससे राजधानी में निर्बाध और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि कंपनी के इंजीनियरों ने सीमित स्थान में इस चुनौतीपूर्ण कार्य को नवाचारी सोच और तकनीकी दक्षता के साथ पूरा किया है। जीआईएस गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन तकनीक पर आधारित इस सबस्टेशन में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित करना आसान नहीं था, लेकिन इंजीनियरों के कुशाल प्रयासों से यह संभव हो सका। नए ट्रांसफार्मर के जुड़ने से न केवल सबस्टेशन की कुल क्षमता बढ़ी है, बल्कि वैकल्पिक व्यवस्था भी मजबूत हुई है। एमपी ट्रांसको भोपाल के अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजेश शांडिल्य ने बताया कि इस नई व्यवस्था से रखरखाव या शटडाउन के दौरान भी बिजली आपूर्ति को प्रभावित हुए बिना जारी रखा जा सकेगा।

साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रकारिता सम्मान राकेश को

भोपाल। लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा वर्ष 2026 के अलंकरणों की घोषणा कर दी गई है। 19 जून को लघुकथा दिवस के अवसर पर आयोजित अखिल भारतीय लघुकथा पर्व में अलंकरण दिए जाएंगे। इस वर्ष का साहित्यिक सांस्कृतिक पत्रकारिता सम्मान वरिष्ठ हिंदी लेखक सुपरिचित साहित्यकार राकेश शर्मा सम्पादक वीणा मासिक पत्रिका इंदौर को प्रदान किया जायेगा। अपने प्रकाशन के शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर इस पत्रिका को अपने संपादन काल में उन्होंने एक नई पहचान दिलाई है। भारत सरकार के श्रम मंत्रालय के अधीन आप सहायक निदेशक राजभाषा के पद से सेवा निवृत्त हुए हैं और कविता, कहानी, निबंध, आलोचना की अनेक महत्वपूर्ण कृतियों के लेखक हैं।

बैरागढ़ में मनाया 'मानव एकता दिवस', दिया मानवता का संदेश

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

संत निरंकारी मिशन द्वारा बाबा गुरबचन सिंह की पा स्मृति में मानव एकता दिवस का आयोजन भोपाल जोन की सभी शाखाओं में किया गया। बैरागढ़ में यह मुख्य कार्यक्रम जोनल इंचार्ज अशोक जुनेजा की उपस्थिति में हुआ।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि यह दिवस बाबा गुरबचन सिंहजी और चाचा प्रताप सिंहजी के त्याग और निःस्वार्थ सेवा को समर्पित है। उनका जीवन मानवता के लिए प्रेम और परोपकार की अनूठी मिसाल रहा है। आयोजन में बैरागढ़ ब्रांच संयोजक महेश वीधानी, संचालक अशोक नाथानी सहित बड़ी संख्या में सेवादल के सदस्य और साध-संगत उपस्थित थे।

संत निरंकारी मण्डल के सचिव जोगिन्दर सुखीजा के अनुसार, इस अवसर पर देशभर में करीब 200 स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किए गए, जिनमें लगभग 40,000 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस वर्ष देशभर में 705 स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित करने की योजना है। पिछले चार दशकों से जारी इस सेवा यात्रा में अब तक 9,174 शिविरों के माध्यम से 15 लाख से अधिक यूनिट रक्त संकलित कर मानवता की सेवा की गई है। सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के संदेश मानव को मानव हो प्यारा, एक-दूजे का बने सहारा को चरितार्थ करते हुए यह आयोजन प्रेम और सद्भाव के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

मौलाना आजाद सेंट्रल लाइब्रेरी में दुर्लभ ग्रंथों का डिजिटलीकरण, आई नई 250 पुस्तकें

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस पर शासकीय मौलाना आजाद सेंट्रल लाइब्रेरी भोपाल में 250 नवीन साहित्यिक पुस्तकें मिली। बता दें कि प्रदेश की पहली 117 साल पुरानी इस आधुनिक शासकीय लाइब्रेरी में दुर्लभ ग्रंथों का डिजिटलीकरण युद्धस्तर पर जारी है।

इस मौके पर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी ने पुस्तकालय का भ्रमण कर सदस्यता ग्रहण की और आम नागरिकों को भी जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने तकनीक, सेल्फ इश्यू-रिटर्न कियोस्क एवं ओपेक सिस्टम का अवलोकन किया। दोनों अधिकारियों ने करीबन एक घंटे समय बिताया। इस दौरान कलेक्टर मिश्रा स्वंय कुछ पुरानी किताबों का पठन किया।

बता दें कि शासकीय मौलाना आज़ाद सेंट्रल लाइब्रेरी वर्ष 1908 में स्थापित पुस्तकालय है, जोकि मध्यप्रदेश का सबसे पुराना एवं समृद्ध ज्ञान-केंद्र है। यहां 1 लाख से अधिक दुर्लभ पुस्तकें एवं पांडुलिपियां संरक्षित हैं। युवा-केंद्रित पहल के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए समर्पित स्टडी सर्किल एवं निःशुल्क वाई-फाई सुविधा के साथ यह लाइब्रेरी युवाओं के लिए करियर हब बन रहा है।

कलेक्टर ने निर्देश देते हुए कहा कि यहां ट्रेनिंग सेंटर डेवलप की जाए। पुरानी पांडुलिपियों एवं गजेटियर को संरक्षित करने लाइब्रेरी में विशेष प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करें। पुस्तकालय से चयनित सदस्यों से मिलकर पुस्तकालय के विकास में सहयोग लें। राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन, कोलकाता से मिलने वाली योजनाओं से पुस्तकालय को जोड़ा जाए। कलेक्टर ने कहा कि रिसर्च प्लेटफॉर्म जैसे शोधगंगा, गंगोत्री आदि प्लेटफॉर्म पर इस लाइब्रेरी का रजिस्ट्रेशन कराएं, जिससे रिसर्च करने वाले छात्रों को डाटा मिल सके। लाइब्रेरी को नए उपकरणों से विकसित कर आधुनिक सुविधाएं बढ़ाई जाएं। इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारी के साथ पुस्तकालय क्षेत्रीय ग्रंथपाल रत्ना वाधवानी, मैनेजर रचित मालवीय उपस्थित रहे।

प्रदेश में सुशासन पर पेंशनर्स का सवाल बुजुर्गों के साथ अन्याय करती सरकार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एम.के. सक्सेना

प्रदेश में सुशासन और अभ्युदय के दावों के बीच राज्य के हजारों पेंशनर्स ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। म.प्र. राजपत्रित अधिकारी संघ ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर गंभीर सवाल उठाए हैं कि आखिर मध्य प्रदेश में पेंशनभोगियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भेदभाव और अन्याय क्यों हो रहा है? संघ के प्रांतीय संयोजक एम.के. सक्सेना ने कहा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश दोनों ही राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। राजस्थान सरकार ने केंद्र की तर्ज पर बिना किसी भेदभाव के अपने कर्मचारियों और पेंशनर्स को 2 प्रतिशत अतिरिक्त महंगाई भत्ता देकर उसे 60 प्रतिशत कर दिया है। लेकिन मध्य प्रदेश सरकार अब भी केंद्र द्वारा घोषित तिथि से एरियर और डीए देने में पीछे है।

पत्र में प्रशासन की कार्यप्रणाली को पंगु बताते कहा गया है कि खुद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मामले को अन्याय मानकर सुधार का आश्वासन दिया था। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने इस पर अपनी लिखित अनुशंसा दी है। इसके अलावा तीन वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों ने भी अपनी सहमति दे दी है। इसके बावजूद, मंत्रालय से आदेश जारी न होना यह दर्शाता है कि शासन-प्रशासन के बीच तालमेल की भारी कमी है। संघ ने आरोप लगाया कि व्याख्याता संवर्ग में 1975 के वरिष्ठ अधिकारियों को आदेश के 9 साल बाद भी समयमान वेतनमान का लाभ नहीं मिल पा रहा है, जबकि 1995 के कनिष्ठ अधिकारियों को ये लाभ मिल चुके हैं। 30 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के बाद भी 6600 ग्रेड-पे और तीसरे समयमान वेतनमान के लिए बुजुर्ग पेंशनर्स को दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। पेंशनर्स ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी जायज मांगों पर आदेश जारी नहीं किए गए, तो यह आक्रोश आने वाले समय में सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

मानव संग्रहालय में नुक्कड़ नाटक से दिया स्वच्छता का संदेश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। इस दौरान नटराजन ग्रुप इंडिया द्वारा प्रस्तुत 'गंदगी से आज़ादी' नाटक ने दर्शकों को जागरूक करने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से भी जोड़ लिया। नाटक का निर्देशन जॉय वाधवानी ने किया, जिसमें खुशी गंधर्व, ओम तोमर, खुशी सूर्यवंशी सहित कलाकारों ने जीवंत अभिनय प्रस्तुत किया। नन्हे कलाकार शीनू अहीरवार ने अपने प्रभावी अभिनय से सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलाई। प्रस्तुति के माध्यम से कलाकारों ने गीले, सूखे, ई-वेस्ट और मेडिकल वेस्ट को अलग-अलग डस्टबिन में डालने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मेट्रो एंकर — टिकट एवं वॉलेट रिचार्ज पर छूट मिलेगी

मेट्रो में अब ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम, 27 से शुरुआत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल और इंदौर के मेट्रो स्टेशन पर अब ऑटोमैटिक फेयर कनेक्शन सिस्टम शुरू हो रहा है। 27 अप्रैल से यात्रियों को मैन्युवली की जगह ऑनलाइन तरीके से ही टिकट मिलेगी। वहीं, टिकट और वॉलेट रिचार्ज पर छूट भी दी जाएगी। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड इस सिस्टम की शुरुआत करने जा रही है। भोपाल और इंदौर में ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम शुरू किया जा रहा है। इसके साथ ही मेट्रो यात्रियों को विशेष रियायत दी जाएगी।

टिकट पर ये मिलेगी छूट: राउंड ट्रिप (आवागमन) टिकट पर कुल किराए में 5 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इससे उन यात्रियों को विशेष लाभ मिलेगा जो एक ही दिन में आवागमन करते हैं। ग्रुप में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए भी विशेष प्रावधान किया गया है। समूह टिकट पर कुल किराए में 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह सुविधा (एकल समूह टिकट पर) न्यूनतम 8 एवं अधिकतम 40 यात्रियों के समूह के लिए उपलब्ध होगी।

एप व वॉलेट रिचार्ज पर अतिरिक्त बचत : मेट्रो के आधिकारिक मोबाइल एप्प एमपी मेट्रो के माध्यम से यात्री क्यूआर टिकट बुक कर सकेंगे। इस एप के वॉलेट रिचार्ज पर विशेष रियायत दी जाएगी। मोबाइल एप्प के माध्यम से टिकट प्राप्त करने पर यात्रियों का समय भी बचेगा।

इस तरह से मिलेगी रिचार्ज स्लैब में छूट: 200 से 499 रुपए के टिकट पर 8 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। 500 से 999 के टिकट पर 10 फीसदी की छूट मिलेगी। 1000 से 1499 रुपए पर 12व और 1500 से 2000 में 15 फीसदी की छूट दी जाएगी। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए टिकटिंग के विभिन्न विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। पेपर क्यूआर टिकट, टाम (टिकट काउंटर)/ईएफओ (ग्राहक सेवा केंद्र) रूम से नगद या यूपीआई के माध्यम से प्राप्त किए जा सकते हैं। मोबाइल क्यूआर टिकट एमपी मेट्रो के आधिकारिक मोबाइल एप्प के माध्यम से डिजिटल भुगतान द्वारा आसानी से खरीदे जा सकेंगे। मोबाइल एप्प एंड्रॉयड दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। वॉलेट में जमा की गई राशि का उपयोग केवल मेट्रो टिकट खरीद के लिए ही किया जा सकेगा और यह राशि किसी भी स्थिति में वापस नहीं की जाएगी।

आउटसोर्स कर्मचारियों का प्रदर्शन अब 30 अप्रैल को भोपाल में

3 से 8 हजार पाने वाले अस्थायी कर्मचारी जुटेंगे न्यूनतम वेतन के लिए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में अस्थायी, ठेका और आउटसोर्स कर्मचारियों का प्रस्तावित सांकेतिक सामूहिक आत्मदाह आंदोलन अब 28 की बजाय 30 अप्रैल को होगा। भोपाल पुलिस कमिश्नर द्वारा अनुमति नहीं दिए जाने के चलते आंदोलन की तारीख बदली गई है।

कर्मचारी अब नीलम पार्क में प्रदर्शन कर सरकार के सामने अपनी मांगें रखेंगे। यह आंदोलन सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम मजदूरी 12,425 से बढ़ाकर 16,769 रुपए प्रति माह लागू करने और इसका सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने की मांग को लेकर किया जा रहा है।

कर्मचारियों का आरोप है कि केंद्र सरकार के तय मानकों के बावजूद राज्य के कई विभागों में 3 से 5 हजार रुपए महीने में काम कराया जा रहा है। कर्मचारियों की मांग है कि सरकार न्यूनतम वेतन की गारंटी ले और इसे बढ़ाकर 26 हजार रुपए प्रति माह किया जाए। अस्थायी, आउटसोर्स कर्मचारी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को पत्र लिखकर आंदोलन की सूचना दे दी है।

50 हजार आवेदन के बाद भी सुनवाई नहीं–कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगें सरकार तक पहुंचा रहे हैं और अब तक 50 हजार से अधिक आवेदन दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद सुनवाई नहीं होने पर उन्होंने आंदोलन का रास्ता चुना है।

घुट-घुटकर जीने को मजबूर

मोर्चा का आरोप है कि ठेकेदारों और अधिकारियों की प्रताड़ना के बीच कर्मचारी घुट-घुटकर जीवन जीने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि ये वही कर्मचारी हैं, जो सरकार की योजनाओं को जमीन पर लागू करते हैं। कर्मचारियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को लिखे पत्र में यह भी कहा कि 2023 विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिले वोटों में उनका भी योगदान है, इसलिए अब वे अपने वोट का हिसाब मांगने भाजपा कार्यालय के सामने पहुंचेंगे।

कई विभागों में न्यूनतम वेतन से भी कम वेतन

अस्थायी और आउटसोर्स कर्मचारियों ने बताया कि अलग-अलग विभागों में उन्हें न्यूनतम वेतन से भी काफी कम भुगतान किया जा रहा है। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्रों, पावर प्लांट और सीमेंट उद्योगों में भी ठेका श्रमिकों को पूरी न्यूनतम मजदूरी नहीं मिलने का आरोप है।

- स्कूल, छात्रावास और आयुष विभाग के कर्मचारियों को 4-5 हजार
- ग्राम पंचायतों के चौकीदार, पंप ऑपरेटर, सफाईकर्मी को 3-4 हजार रुपए
- स्वास्थ्य विभाग के आउटसोर्स कर्मचारियों को 7-8 हजार रुपए
- राजस्व विभाग के लोक यूथ सर्वेयर को करीब 1 हजार रुपए
- मध्यान्ह भोजन कार्यकर्ताओं को 4 हजार रुपए
- मनरेगा मेट को 2 हजार रुपए से भी कम
- योग सहायक और प्रशिक्षकों को 4500 रुपए

प्रदेश में सहकार से हो रहा है डेयरी गतिविधियों का विस्तार, सीएम बोले-

दुग्ध क्षेत्र में पारदर्शिता और ब्रांड की बेहतरी पर होगा विशेष फोकस, मोबाइल ऐप से होगा संकलन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दुग्ध उत्पादन से जुड़ी गतिविधियां किसानों की आय बढ़ाने में प्रभावी रूप से सहायक है। किसानों की आय दोगुना करने के लिए किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार डेयरी गतिविधियों को विशेष रूप से प्रोत्साहित कर रही है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा प्रदेश के दुग्ध संघों को दिए जा रहे सहयोग से दुग्ध संकलन में वृद्धि हुई है और किसानों को भी दूध के बेहतर दाम मिल रहे हैं। सहकार के भाव से डेयरी गतिविधियों का विस्तार किया जा रहा है। दुग्ध समितियों में महिला सदस्यता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। डेयरी सहकारी कवरेज के विस्तार और सुदृढ़ीकरण, नई डेयरी प्रसंस्करण, उत्पाद निर्माण और पशु चारा संयंत्र के आधुनिकीकरण, डेयरी वैल्यू चैन के डिजीट्लाइजेशन, पारदर्शिता और दुग्ध उत्पादों की बिक्री को बढ़ाने के लिए समय-सीमा निर्धारित करते हुए कार्ययोजना बनाई जाए। डेयरी विकास योजना के अंतर्गत 26 हजार गांवो को जोड़ने, प्रतिदिन दुग्ध संकलन 52 लाख किलोग्राम तक करने का लक्ष्य रख, गतिविधियां संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री ने ये निर्देश मध्यप्रदेश स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की राज्य स्तरीय संचालन समिति की द्वितीय बैठक में दिए।

दुग्ध उत्पादों के लिए किसानों को करें प्रेरित

सीएम ने कहा कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के दुग्ध क्षेत्र में अनुभव का लाभ राजधानी से लेकर ग्राम स्तर तक सुनिश्चित किया जाए। दूध और दुग्ध उत्पादों के बिक्री में सुधार के लिए ब्राण्ड सुदृढ़ीकरण और नई पैकेजिंग डिजाइन कर उत्पादों की पहुंच का अधिक से अधिक विस्तार किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुग्ध उत्पादन में वद्धि और विभिन्न दुग्ध उत्पादों के निर्माण के लिए किसानों को नवाचार करने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों तथा प्रदेश के युवाओं को डेयरी टेक्नोलॉजी की नई तकनीकों से परिचित कराने की भी आवश्यकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आदर्श पशुपालकों को सम्मानित करने, दूधारू पशुओं की प्रदर्शनी आयोजित करने और डेयरी के संबंध में सूचना सम्प्रेषण के लिए जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन और दुग्ध संघों का कार्यअनुबंध करने के बाद वर्ष 2025-26 में 1752 नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया गया तथा 701 निष्क्रिय दुग्ध समितियों को क्रियाशील किया गया। प्रदेश में प्रतिदिन 9 लाख 67 हजार कि.ग्रा. दुग्ध संकलन किया जा रहा है, साथ ही 153 नवीन बल्क मिल्क कूलर की स्थापना की गई है। दूध और दूध उत्पादों का क्रेडिट पर विक्रय बन्द कर दिया गया है।

बैठक में दी गई जानकारी

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में दूध की गुणवत्ता में सुधार, उत्पादन में हानि को कम करने और एक समान उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया लागू की गई है। इंदौर में स्थापित 30 मीट्रिक टन क्षमता का दुग्ध चूर्ण संयंत्र आरंभ किया जा चुका है। शिवपुरी में 20 हजार लीटर क्षमता के डेयरी संयंत्र और ग्वालियर डेयरी संयंत्र के सुदृढ़ीकरण का कार्य प्रगति पर है। पशु आहार संयंत्रों की क्षमता का अधिकतम उपयोग करने के लिए विशेष व्यवस्था लागू की गई है। पीपीपी मोड पर भी प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जाएगा। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी विकास उमाकांत उमराव, प्रमुख सचिव सहकारिता डी. पी. आहूजा, सहित राज्य सरकार और एनडीडीबी के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बार-बार लक्ष्मण रेखा लांघ रहे भाजपा नेता

खुलेआम धमकियों और बिगड़े बोल से पार्टी की हो रही किरकिरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में मंत्रियों से लेकर विधायक और अन्य पार्टी पदाधिकारियों द्वारा भाजपा के अनुशासन, भाषा की गरिमा की लक्ष्मण रेखा लांघने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। वरिष्ठ नेताओं के बिगड़े बोल और अधिकारियों को खुलेआम दी जा रही धमकियों ने पार्टी की किरकिरी कराई है। पिछोर विधायक प्रीतम लोधी ने करैरा के एसडीओपी (प्रशिक्षु आइपीएस) आयुष जाखड़ को खुलेआम धमकी दी।

इसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मई, 2025 में प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह ने एक सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ अमर्यादित और आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस मामले में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे। इसी माह के शुरू में हाई कोर्ट ने भाजपा विधायक संजय पाठक के खिलाफ आपराधिक अवमानना के मामले में निर्देश जारी किए। उन पर अवैध उत्खनन मामले की सुनवाई कर रहे हाई कोर्ट जज से संपर्क करने की कोशिश का आरोप है। पार्टी संगठन समय-समय पर नोटिस जारी कर इन पर नियंत्रण करने की कोशिश करता है लेकिन बार-बार दोहराई जा रही इन घटनाओं ने भाजपा की अनुशासित पार्टी वाली छवि पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इन नेताओं ने अपने काम से पार्टी को किया असहज

सागर जिले की देवरी विधानसभा सीट से भाजपा विधायक बृजबिहारी पटैरिया ने एक मामले में पुलिस द्वारा डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज न करने से नाराज होकर केसली थाने के भीतर ही अपना इस्तीफा लिख दिया और उसे विधानसभा अध्यक्ष को भेज दिया। कुछ दिन पहले उनकी बेटी प्रियंका पटैरिया पर एक युवक के साथ जूते से मारपीट करने का आरोप लगा है। इस घटना का सीसीटीवी वीडियो इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हुआ। मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल एक वीडियो में एडिशनल एसपी अनुराग पांडेय के सामने दंडवत होते नजर आए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी अपराधियों के साथ मिलकर उनकी हत्या की साजिश रच रहे हैं। भिंड विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने अगस्त 2025 में कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव पर मुक्का (घूंसा) ताना था और उन्हें चोर कहा था।

जनगणना ड्यूटी: शिक्षकों में नाराजगी, दिल्ली मॉडल लागू करने की मांग

अवकाश में काम के बदले मिले अर्जित छुट्टी

सतना, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में जनगणना ड्यूटी को लेकर शिक्षकों की नाराजगी अब खुलकर सामने आने लगी है। शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश ने सरकार से स्पष्ट मांग की है कि ग्रीष्मकालीन अवकाश में काम करने वाले शिक्षकों को अर्जित अवकाश दिया जाए। संगठन का कहना है कि यदि राष्ट्रीय महत्व के कार्यों में शिक्षकों की सेवाएं ली जा रही हैं, तो उनके अधिकारों की भी उतनी ही गंभीरता से रक्षा होनी चाहिए।

संगठन के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने बताया कि दिल्ली में जनगणना ड्यूटी के दौरान छुट्टियों में काम करने वाले शिक्षकों को अर्जित अवकाश देने के स्पष्ट निर्देश जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि इसी तर्ज पर मध्य प्रदेश सरकार को भी तत्काल निर्णय लेते हुए यहां के शिक्षकों को यह सुविधा देनी चाहिए, ताकि समानता और न्याय सुनिश्चित हो सके। प्रदेशभर में हजारों शिक्षकों को ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान जनगणना कार्य में लगाया गया है। ऐसे में शिक्षकों को अपने निर्धारित अवकाश से समझौता करना पड़ रहा है, लेकिन इसके बदले उन्हें न तो अतिरिक्त छुट्टी मिल रही है और न ही कोई अन्य राहत। इससे शिक्षकों के बीच असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है।

गैर-शैक्षिक कार्यों का बढ़ता बोझ | उपेन्द्र कौशल ने कहा कि शिक्षकों से लगातार चुनाव, सर्वेक्षण और जनगणना जैसे गैर-शैक्षिक कार्य कराए जाते हैं। इससे उनकी मूल शैक्षणिक जिम्मेदारियां प्रभावित होती हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार इन कार्यों के लिए शिक्षकों पर निर्भर है, तो उनके अधिकारों और सुविधाओं को नजरअंदाज क्यों किया जा रहा है।

सम्मान और अधिकार दोनों जरूरी

संगठन ने स्पष्ट किया कि केवल काम लेना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षकों को उनका अधिकार और सम्मान भी मिलना चाहिए। यदि उन्हें अर्जित अवकाश जैसी सुविधाएं दी जाएंगी, तो वे इन जिम्मेदारियों को और अधिक ईमानदारी और समर्पण के साथ निभा सकेंगे। संगठन ने राज्य सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द आदेश जारी कर जनगणना और चुनाव ड्यूटी के बदले अर्जित अवकाश की व्यवस्था लागू की जाए। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आगे आंदोलन तेज किया जा सकता है।

महिला स्व-सहायता समूह की सराहनीय पहल

मां नर्मदा को प्रदूषण मुक्त रखने के संकल्प के साथ आटे के दीपक का शुरू किया व्यवसाय

खंडवा, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिल रही है, जहां स्वयं सहायता समूह न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रहे हैं, बल्कि समाज और पर्यावरण के लिए भी प्रेरणादायक कार्य कर रहे हैं। इसी कड़ी में खंडवा जिले के ओंकारेश्वर क्षेत्र की महिलाओं ने एक ऐसी पहल शुरू की है, जो आज चर्चा का विषय बन गई है। ओंकारेश्वर के पास स्थित मोरटक्का गांव की विजया जोशी ने ÷मां नर्मदा आजीविका स्वयं सहायता समूह÷ का गठन कर एक अनोखी शुरुआत की। उन्होंने देखा कि नर्मदा नदी में प्लास्टिक के दोने में दीपदान करने से जल प्रदूषण बढ़ रहा है और जलीय जीवों पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इसी चिंता को ध्यान में रखते हुए उन्होंने आटे से बने दीपक तैयार करने का व्यवसाय शुरू किया। यह पहल न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ी है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक सशक्त कदम है। समूह की महिलाओं ने लगभग डेढ़ लाख रुपये का ऋण लेकर दीपक बनाने की मशीन खरीदी। इसके बाद उन्होंने बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू किया। ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से उन्हें पैकेजिंग, मार्केटिंग और ब्रांडिंग का प्रशिक्षण भी मिला, जिससे उनके उत्पाद को बेहतर पहचान मिल रही है।

प्रदूषण में कमी और जीवों के लिए भोजन

इस पहल के दो बड़े लाभ सामने आए हैं। पहला, प्लास्टिक के उपयोग में कमी से नर्मदा नदी का प्रदूषण घटा है। दूसरा, दीपक में इस्तेमाल होने वाला आटा पानी में घुलकर मछलियों के लिए भोजन का काम करता है। इस तरह यह पहल प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने में भी सहायक बन रही है। महिलाओं का कहना है कि शास्त्रों में दीपदान का विशेष महत्व बताया गया है। आटे के दीपक से किया गया दीपदान न केवल धार्मिक दृष्टि से लाभकारी माना जाता है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित है। यह पहल यह दर्शाती है कि यदि इच्छाशक्ति और सही मार्गदर्शन मिले, तो ग्रामीण महिलाएं समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं।

प्रदेश में 6 लाख घरों पर लगेंगे सौर ऊर्जा संयंत्र

भोपाल। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने बताया है कि मध्यप्रदेश में 6 लाख घरों पर पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत सौर ऊर्जा संयंत्र लगाये जायेंगे। इसके लिये वेंडर्स से डिजिटल एग्रीमेंट भी किया जायेगा। इससे सौर संयंत्र की स्थापना लागत में कमी आयेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिये सरकार कृत-संकल्पित होकर कार्य कर रही है। शुक्ला ने बताया कि हितग्राही एवं वेंडर्स के हितों को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड द्वारा विभिन्न शुल्कों में कमी लाने के लिये डिजिटल एग्रीमेंट किये जाने संबंधी याचिका मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग में लगाई थी। रजिस्ट्रेशन शुल्क, प्रोसेसिंग शुल्क, मीटर जांच शुल्क और इंस्टॉलेशन/कमीशनिंग शुल्क के संबंध में मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने याचिका की सुनवाई के बाद डिजिटल एग्रीमेंट के लिये आदेश पारित कर दिया है।

दोपहर मेट्रो

युद्ध का असर- एमपी से मुंबई, दिल्ली, बैंगलोर, जयपुर जाना हुआ महंगा

एयर टिकट 25% से ज्यादा महंगे, विदेश यात्रा भी जेब पर भारी

इंदौर, दोपहर मेट्रो

वैश्विक तनाव का असर अब आम आदमी की जेब पर साफ दिखने लगा है। ईरान-इजराइल और अमेरिका के बीच बढ़ते टकराव ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतें बढ़ा दी हैं। इसका सीधा असर हवाई किरायों पर पड़ा है।

इंडिगो और एयर इंडिया जैसी एयरलाइंस ने लागत बढ़ने के चलते 'फ्यूल सरचार्ज' लागू कर दिया है। इसके बाद मध्य प्रदेश सहित देशभर में फ्लाइट टिकट 15 से 20त्न तक महंगे हो गए हैं। मार्च के अंत से लागू समर शेड्यूल के बाद इंदौर से कई शहरों की सीधी फ्लाइट्स बंद हो गई हैं। यात्रियों को अब कनेक्टिंग फ्लाइट्स लेनी पड़ रही हैं, जिससे समय और खर्च दोनों बढ़ गए हैं। इसका असर समर वेकेशन प्लान पर भी पड़ा है। कई लोग अब ट्रेन या दूसरे विकल्प चुन रहे हैं।

ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़) के चेयरमैन हेमेंद्र सिंह जादौन के अनुसार यदि अंतरराष्ट्रीय हालात नहीं सुधरे और एटीएफ सस्ता नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में किराए और बढ़ सकते हैं।

इंदौर से उड़ानें सबसे ज्यादा महंगी, कोलकाता रूट ने तोड़े रिकॉर्ड

इंदौर से चलने वाली घरेलू और अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स के किराए में औसतन 20त्न तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कुछ रूट्स पर यह और ज्यादा है। उदाहरण के तौर पर इंदौर से मुंबई का किराया 4500 रुपए से बढ़कर करीब 6500 रुपए तक पहुंच गया है।

कोलकाता जाने वाला किराया सबसे ज्यादा बढ़ा है। जहां पहले टिकट 6500-7500 रुपए में मिल जाता था, वहीं अब 8500 से 12,000 रुपए तक पहुंच गया है। ट्रैवल एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस रूट पर कम प्रतिस्पर्धा और ज्यादा मांग की वजह से किराए तेजी से बढ़े हैं।

ट्रैवल एक्सपर्ट हेमंत धनोतिया बताते हैं कि इंदौर के हवाई मार्ग पर इंडिगो की उड़ानों का दबदबा है, जिसके कारण प्रतिस्पर्धा कम होने और ईंधन महंगा होने का सीधा असर यात्रियों पर पड़ रहा है।

इंटरनेशनल फ्लाइट्स में 35 फीसदी तक उछाल

खाड़ी देशों के ऊपर से गुजरने वाले कई हवाई मार्ग प्रभावित हुए हैं। रूट डायवर्जन के कारण दूरी और ईंधन खर्च बढ़ा है। इसका असर इंटरनेशनल टिकट पर ज्यादा दिख रहा है, जहां किराए में 30-35% तक उछाल दर्ज किया गया है।

कई फ्लाइट बंद हो गई

- किराया बढ़ने के साथ-साथ इंदौर के हवाई यात्रियों के लिए एक और बड़ी समस्या कनेक्टिविटी की कमी के रूप में सामने आई है। मार्च के अंत से लागू हुए नए समर शेड्यूल के कारण इंदौर से कई प्रमुख शहरों की सीधी उड़ानें बंद कर दी गई हैं।
- सीधा संपर्क टूटने की वजह से यात्रियों को कनेक्टिंग फ्लाइट्स का सहारा लेना पड़ रहा है, जो समय और पैसा दोनों के लिहाज से काफी महंगा पड़ रहा है।

उम्मीद भरी गतिरोध की हद

भा जो कोई भी मरने वालों की गिनती कर रहा था। उस सभ्यता पर छाए काले धुएं से डर रहा था, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कभी पूरी तरह मिटाने को तैयार थे। होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल के जहाजों के निर्बाध गुजरने को लेकर शंका में था और लंदन व न्यूयॉर्क के विकल्प के तौर पर दुबई के फिर से उभरने पर संदेह कर रहा था। जब ट्रंप अपनी हताशा को गालियों और शब्दों के खेल के जरिये जाहिर कर रहे थे, तब जो लोग दूसरों की मुसीबत में मजा ले रहे थे, उनके लिए जीत और हार या फिर एक उम्मीद भरी गतिरोध की हद सिर्फ शब्दों के अर्थों से ही तय हो रही थी। चैटरूम में, अखबारों में और रेडियो-टीवी पर परिभाषाएं गढ़ी और बेची जा रही थीं। ये सब, उन देशों के प्रति आपकी वैचारिक चिढ़ या खानदानी नफरत को दिखा रहा था, जो अब भी अपने बुरे इतिहास से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। और इसीलिए, जीत को तबाही की तस्वीरों, मारे गए नेताओं की सूची, और बहुत कमजोर पड़ चुकी सैनिक और परमाणु क्षमताओं के जरिये बेहतर ढंग से समझाया जा सकता है। ये तस्वीरें एक ऐसे विचार की पृष्ठभूमि बनाती हैं, जिसे कोई भी महाशक्ति नहीं हरा सकती-एक ऐसी महाशक्ति, जिसकी सैनिक श्रेष्ठता, उसकी नैतिक हीनता के आगे बेअसर हो जाती है। तकलीफों के बीच, ईरान ने एक पीड़ित के तौर पर अपनी साख और मजबूत की है-एक ऐसा पीड़ित, जिसका इतिहास लंबी लड़ाइयों पर जीत हासिल करने का रहा है। मौत के बाद भी, उसकी जिंदगी कई गुना बढ़ जाती है। यह एक सशक्त कहानी है, जिसमें आस्था और दृढ़ता के इर्दगिर्द एक नई फारसी पौराणिक कथा गढ़ी जा रही है। इसमें विजय को उसी धार्मिक आस्था की शब्दावली में पुनर्परिभाषित किया गया है, जिसे आमतौर पर दमन से जोड़ा जाता है। जब गाजा से आने वाले बेदखली और मौत के संदेशों की जगह एक गौरवशाली देश के जले-भुने अवशेष ले लेते हैं। तब जो बात सबसे अधिक मायने रखती है, वह है एक ऐसे विचार का बने रहना, जो उदारवादी मन को सुकून देता है। यह एक ऐसा विचार है, जिस पर हमला हो रहा है, जो साम्राज्यवादी अहंकार के सामने खड़ा है और यह अहंकार खुद यहूदी राष्ट्र के उस वहम से और भी ज्यादा भड़क उठता है, जिस पर वह राष्ट्र टिका हुआ है।

कमजोर मानसून और आपदा प्रबंधन, अधिक सजग होकर जिम्मेदारी निभाने की जरूरत

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
स्तंभकार

आ आगामी मानसून को लेकर पहला पूर्वानुमान जारी करने के साथ मौसम विभाग ने आने वाले मानसून सत्र में सामान्य से कम बरसात के संकेत दिए हैं। हालांकि मानसून पूर्वानुमान अभी और जारी किये जाएंगे पर यह आरंभिक सूचना आने वाले समय के लिए गंभीर संकेत है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार सामान्य से 8 फीसदी तक कम बरसात की संभावना जताई गई है। देश के कई हिस्सों में कम बरसात के संकेत हैं तो कुछ हिस्सों में सामान्य बरसात हो सकती है। माना जा रहा है कि अलनीनो इफेक्ट के चलते मानसून कमजोर रहेगा।

यह सही है कि हमारे मौसम मंत्रालय द्वारा जारी पूर्वानुमान काफी हद तक आसपास रहने लगे हैं। यहां तक कि दो से तीन घंटों में बरसात होने या आंधी-तूफान या ओलावृष्टि तक के पूर्वानुमान खरे उतरने लगे हैं। ऐसे में मौसम विभाग के पूर्वानुमानों को गंभीरता से लेते हुए केन्द्र व राज्यों की सरकारों को अभी से पूर्व तैयारियां करने में जुट जाना चाहिए। खासतौर से आपदा प्रबंधन मंत्रालय को अभी से भावी रणनीति तय करनी होगी। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है जिसके अनुमानों के अनुसार 81 सेमी तक रहने की आशंका है। पूर्वानुमानों को मानें तो साल 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी, उसके बाद के वर्षों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले आठ वर्षों में मानसून की स्थिति देखें तो साल 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसपास व इससे अधिक रही है।

हमारे देश में मानसूनी बरसात पर निर्भरता अधिक है। जहां खेती में मानसूनी बरसात की निर्भरता बहुत अधिक है तो दूसरी ओर पेयजल को लेकर भी मानसून पर निर्भरता अधिक है। जलाशयों में पानी के भण्डारण और भूजल स्तर भी बरसाती पानी पर निर्भर है। हमारी खेती मुख्यतः मानसून पर निर्भर है। सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता में कमी के कारण मानसून पर खेती 55 से 64 प्रतिशत निर्भर है। पीने के पानी की समस्या भी कमजोर मानसून से प्रभावित होती है। हमारे यहां मानसून की अवधि जून से सितंबर तक रहती है। अब सवाल उठता है कि पिछले वर्षों में मानसून सामान्य से अच्छा रहने के बावजूद कमजोर मानसून की स्थिति से निपटने में हमारी तैयारी अच्छी नहीं मानी जा सकती। अत्यधिक भूजल दोहन और जल संचयन की दीर्घकालिक नीति के अभाव में ठोस परिणाम प्राप्त नहीं हो पाये हैं।

ऐसा नहीं है कि नीति नहीं बनती हो या ऐसा भी नहीं है कि जल संचयन के प्रयास नहीं होते हों पर जो परिणाम देखने में आए हैं वह कोई आशाजनक नहीं माने जा सकते। पानी के विवेकपूर्ण उपयोग की बात हमारे यहां बेमानी है। प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संरक्षण व संधारण में भी हम कुछ अधिक नहीं कर पाये हैं। इसके अलावा दुर्भाग्यजनक बात यह है कि तात्कालिक प्रयास होते हैं। शहरीकरण की आड़ में प्राकृतिक जल स्रोत या तो नष्ट हो गए हैं या उनमें बरसात के पानी जाने के रास्ते अवरुद्ध या बंद हो गए हैं। नदी नालों के रास्ते या तो बंद हो गए हैं या अवरुद्ध हो गए हैं। बरसात के पानी के जलाशयों व रास्तों में अनधिकृत कब्जे, निर्माण और रिसोर्ट बना दिए है। एक समय ऐसा भी आया कि जब विशेषज्ञों ने बरसात के पानी जाने के रास्तों में जगह-जगह एनिकट बनाने की सलाह दे डाली और छोटे-छोटे एनिकट बनने से नदियों-जलाशयों में पानी की आवक प्रभावित हो गई। इससे तात्कालिक यानी एनिकटों में पहले पानी एकत्र तो हुआ पर बाद में इनका रखरखाव नहीं होने से दोहरा नुकसान हुआ। इसी तरह वर्षा जल संचयन के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के लिए सरकार ने अरबों रुपये खर्च किये पर उनके निर्माण के आंकड़े पूरे करने के चक्कर में हम भूल गए कि बरसात के पानी इनमें कितना व कैसे जा पाएगा। फिर बरसात से पहले इनकी देखरेख पर भी ध्यान नहीं देने से जो परिणाम मिलने चाहिए थे वे नहीं मिल सके हैं। हमारे दैनिक उपभोग में भी पानी का उपयोग काफी बढ़ा है। आज पेयजल से कई गुणा अधिक पानी टॉयलेट और कूलरों में उपयोग होने लगा है। समय रहते टॉयलेट में कम पानी के उपयोग की कोई राह निकाली जाती तो हालात में सुधार होता। इसी तरह देशभर में वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम लगाने का अभियान चला पर इनके परिणाम भी ज्यादा अच्छे नहीं देखे जा रहे। रिसाइकिल पानी को लेकर भी कोई स्पष्ट नीति तय हो तो कुछ हद तक समाधान हो सकता है।

कमजोर मानसून के हालात से निपटने की कार्ययोजना हमें अभी से बनानी होगी। मौसम विभाग ने अप्रैल में यह चेतावनी दे दी है। मानसून जून में आएगा। ऐसे में अभी मई का महीना हमारे पास है। अभी से सरकार को कमर कसनी होगी। कमजोर मानसून के हालात में हमें कम पानी से अधिक बेहतर हालात बनाने के प्रयास करने होंगे। इसके लिए जहां पानी की एक-एक बूंद को सहेजने की रणनीति तैयार करनी होगी, वहीं कृषि मंत्रालय को खरीफ के लिए इस तरह की रणनीति बनानी होगी जिसमें कम पानी के उपयोग से बेहतर फसल तैयार होने वाली फसलों और किस्मों के लिए किसानों को प्रेरित हो सके। खेती किसानी भी प्रभावित ना हो और पैदावार भी अच्छी हो इसकी रणनीति बनानी होगी। अधिक पानी की आवश्यकता वाली फसलों की खेती ना करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना होगा। इसी तरह जलाशयों, बांधों में उपलब्ध पानी का प्रबंधन योजनाबद्ध तरीके से करना होगा। अभी से आमजन को पानी के अपव्यय को रोकने के लिए प्रेरित करना होगा। कहने का अर्थ है कि जब आने वाले हालात की तस्वीर हमारे सामने कमोबेश आ चुकी है तो समय रहते इस तरह की रणनीति बनानी होगी ताकि कमजोर मानसून में भी हमारी जल प्रबंधन क्षमता बेहतर रह सके।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

मौजूदा दौर में भारत-दक्षिण कोरिया संबंध, नई संभावनाओं के साथ बढ़ते कदम

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

भा रत और दक्षिण कोरिया के संबंध आज के वैश्विक दौर में नई अहमियत प्राप्त कर रहे हैं। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और क्षेत्रीय शांति के समर्थक हैं। एशिया के बदलते शक्ति संतुलन, चीन की बढ़ती आक्रामकता, आपूर्ति श्रृंखला संकट, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व तनाव और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भारत तथा दक्षिण कोरिया को एक-दूसरे के और करीब आने का अवसर दिया है। दोनों देशों के बीच वर्षों से मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं लेकिन अब समय की मांग है कि इन्हें नई ऊर्जा, नई दिशा और व्यावहारिक सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाए।

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध केवल आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं बल्कि इनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधार भी मजबूत हैं। प्राचीन समय से दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क की चर्चा मिलती है। कोरिया में अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना, जिन्हें वहां रानी ह्यो ह्वांग-ओक के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख दोनों देशों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ता है। यह संबंध आज भी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव का आधार है। इसी कारण दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और जनसंपर्क की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं।

राजनयिक स्तर पर भारत और दक्षिण कोरिया ने वर्ष 1973 में औपचारिक संबंध स्थापित किए थे। उसके बाद से दोनों देशों के रिश्तों में लगातार प्रगति हुई है। वर्ष 2010 में संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया और बाद में इसे विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों देश एक-दूसरे को दीर्घकालिक सहयोगी के रूप में देखते हैं। उच्च स्तरीय यात्राएँ, विदेश मंत्री स्तर की बैठकें, व्यापारिक संवाद और रक्षा वार्ताएँ इन संबंधों को लगातार मजबूत कर रही हैं। आर्थिक क्षेत्र में दक्षिण कोरिया भारत के लिए महत्त्वपूर्ण साझेदार है। दक्षिण कोरिया तकनीकी रूप से उन्नत, औद्योगिक रूप से मजबूत और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था वाला देश है, जबकि भारत विशाल बाजार, युवा जनसंख्या और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। द्विपक्षीय व्यापार हाल के वर्षों में बढ़ा है और लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुँच चुका है। हालांकि यह क्षमता की तुलना में अभी भी कम है। भारत का दक्षिण कोरिया के साथ व्यापार घाटा भी चिंता का विषय बना हुआ है।

दक्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनियाँ भारत में लंबे समय से निवेश कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल निर्माण, स्टील, शिप बिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में कोरियाई कंपनियों की मजबूत उपस्थिति है। भारत में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया का निवेश अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और ग्रीन एनर्जी जैसे अभियानों में कोरियाई तकनीक तथा पूंजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

इन सबके बीच कुछ चुनौतियाँ भी हैं। वर्ष 2010 में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता यानी सीईपीए लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापार को गति देना था लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं आए। गैर-टैरिफ बाधाएँ, गुणवत्ता मानकों से जुड़े नियम, जटिल नियामक प्रक्रियाएँ, लॉजिस्टिक समस्याएँ और बाजार पहुँच की कठिनाइयाँ व्यापार वृद्धि में रुकावट बनती रही हैं। भारत को अपने निर्यात में विविधता लानी होगी, जबकि दक्षिण कोरिया को भारतीय उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने होंगे। आज वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बड़े बदलाव हो रहे हैं। कंपनियाँ केवल चीन पर निर्भरता कम करना चाहती हैं और नए उत्पादन केंद्र खोज रही हैं। यह स्थिति भारत और दक्षिण कोरिया दोनों के लिए अवसर लेकर आई है। दक्षिण कोरियाई कंपनियाँ यदि भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन केंद्र स्थापित करती हैं तो उन्हें विशाल बाजार, सस्ती श्रमशक्ति और रणनीतिक स्थिति का लाभ मिलेगा। वहीं, भारत को तकनीक, रोजगार और निर्यात क्षमता में वृद्धि प्राप्त होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, बैटरी निर्माण, ऑटोमोबाइल, रक्षा उत्पादन और जहाज निर्माण ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ सहयोग तेजी से बढ़ सकता है।

रणनीतिक दृष्टि से भी दोनों देशों का सहयोग अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र, खुला और समावेशी व्यवस्था का समर्थन करता है। दक्षिण कोरिया भी क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा का समर्थक है। चीन की आक्रामक नीतियाँ, समुद्री मार्गों पर दबाव और क्षेत्रीय तनाव ने कई देशों को नए साझेदार खोजने पर मजबूर किया है। भारत और दक्षिण कोरिया इस संदर्भ में स्वाभाविक सहयोगी बन सकते हैं।

हालाँकि दक्षिण कोरिया की सुरक्षा प्राथमिकताएँ थोड़ी अलग हैं। उसका प्रमुख ध्यान उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे और अमेरिका के साथ सैन्य गठबंधन पर केंद्रित रहा है। दूसरी ओर भारत की चिंताएँ चीन, हिंद महासागर, सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन से जुड़ी हैं। फिर भी दोनों देशों के हित कई क्षेत्रों में समान हैं। रक्षा उद्योग सहयोग, साइबर सुरक्षा, समुद्री निगरानी, आतंकवाद विरोधी प्रयास और नई सैन्य तकनीकों में संयुक्त कार्य किया जा सकता है। रक्षा क्षेत्र में दक्षिण कोरिया ने विश्व स्तर पर मजबूत पहचान बनाई है। उसके पास आधुनिक रक्षा उत्पादन क्षमता है। भारत यदि संयुक्त उत्पादन, तकनीकी हस्तांतरण और अनुसंधान सहयोग पर जोर दे तो दोनों देशों को लाभ हो सकता है। भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति और दक्षिण कोरिया की तकनीकी क्षमता मिलकर नई संभावनाएँ पैदा कर सकती हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

न्यूट्रिशन

स्वस्थ जीवनशैली के लिए डायटीशियन दे रहे हैं मेडिटेरियन डाइट की सलाह

पिछले कुछ वर्षों में मेडिटेरियन डाइट (भूमध्यसागरीय आहार) काफी पॉपुलर हो गई है और इसे खाने के सबसे हेल्दी तरीकों में गिना जाता है। यह डाइट भूमध्य सागर को घेरे हुए देशों के लोगों के खाने की पारंपारिक आदतों से प्रेरित होकर बनी है। यह देश यूरोप, एशिया और अफ्रीका के महाद्वीप के अंदर आते हैं। डाइटिशियन इस बात पर जोर देते हैं कि यह डाइट केवल खाने से जुड़ी नहीं है, बल्कि यह न्यूट्रिशन, फिजिकल एक्टिविटी और माइंडफुल ईटिंग के बीच संतुलन से बनी संपूर्ण जीवनशैली है। स्वास्थ्य को हर तरह से फायदा पहुंचाने की वजह से हेल्थ एक्सपर्ट इसे फॉलो करने की काफी सलाह देते हैं। मोटापा, डायबिटीज और हार्ट डिजीज जैसी लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां बढ़ती जा रही हैं तो ऐसे माहौल में इस डाइटरी पैटर्न को फॉलो करने पर लंबे समय तक स्वास्थ्य को बेहतर रखा जा सकता है। यह डाइट वेट मैनेज करने में काफी मदद करती है और कम करने की जगह पोषण से भरे साबुत फूड्स का सेवन बढ़ाने पर जोर देती है, जो लंबे समय तक आपकी भूख को शांत रखते हैं। यह प्राकृतिक रूप से ओवरईटिंग से बचाते हैं और वेट लॉस में मदद करते हैं।यह ब्लड शुगर को रेगुलेट रखने में मदद करती है, जिस कारण टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों के लिए बढ़िया विकल्प है। फल, सब्जियां और साबुत अनाज के हाई फाइबर से डायजेशन और गट हेल्थ बेहतर बनता है। इस डाइट में एंटी-इंफ्लामेटरी इफेक्ट होते हैं। इसके अंदर एंटीऑक्सीडेंट्स और हेल्दी फैट्स होते हैं, जो इंफ्लामेशन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस घटाने में मदद करते हैं। बता दें कि कैंसर और अल्जाइमर डिजीज जैसी क्रोनिक बीमारियों के पीछे इंफ्लामेशन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को जिम्मेदार देखा जाता है।

इस डाइट में क्या ख़ास: ताजे फूड इस डाइट की बुनियाद हैं। टमाटर, पालक, ब्रोकली, संतरा, सेब और बेरीज जैसे फूड्स विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। ओट्स, ब्राउन राइस, क्विनोआ और व्होल व्हीट ब्रेड जैसे साबुत अनाज लंबे समय तक एनर्जी देने का काम करते हैं और ब्लड शुगर लेवल स्टेबल रखते हैं। इस डाइट में फैट्स का प्राइमरी सोर्स ऑलिव ऑयल होता है। इस तेल के अंदर दिल के लिए फायदेमंद मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स होते हैं। बादाम और अखरोट जैसे नट्स और सीड्स भी इस डाइट का अभिन्न हिस्सा हैं। मछली और सीफूड का नियमित सेवन शामिल होता है। खासतौर से सैल्मन, सार्डिन जैसी फैटी फिश शामिल होती हैं, जो ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरी होती हैं। इसके अलावा, पॉल्ट्री, अंडे और दाल व छोले जैसे प्लांट बेस्ड प्रोटीन फूड भी शामिल होते हैं। दही, चीज़, योगर्ट जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स मॉडरेशन अमाउंट में खा सकते हैं। यह अपने प्राकृतिक रूप में या कम से कम प्रोसेस्ड होने चाहिए। नमक का अत्यधिक इस्तेमाल करने की जगह लहसुन, तुलसी, ओरेगैनो, रोजमेरी जैसे मसालों और जड़ी-बूटियों को फ्लेवर बढ़ाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। मेडिटेरियन डाइट में रेड मीट और प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन बहुत ध्यान से करना चाहिए।

सुविचार

हर दिन नया होता है, बस उसे जीने का नजरिया नया होना चाहिए।

निशाना

जरा समझो भैया..!

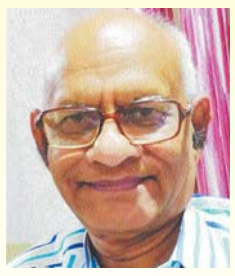

ब्रज किशोर पटेल

मां रेवा के तीर, जरा समझो भैया।
क्यों है गंदा नीर, जरा समझो भैया।।
कछुये सब घबराकर कब के भाग गये।
मछली हुई अधीर, जरा समझो भैया।।
अगर भक्त तुम सच्चे हो मां रेवा के।
क्या है मां की पीर, जरा समझो भैया।।
कल कल छल छल बहते जल के पांव में।
है किसकी जंजीर, जरा समझो भैया।।
घबराकर जल सूख गया तो भक्तों की।
कहाँ जायेगी भींड, जरा समझो भैया।।
किसने घोला जहर यहाँ इस अमृत में।
राजा रंक फकीर,जरा समझो भैया।।
बदले न तासीर नर्मदा मैया की।
क्या होगी तदबीर, जरा समझो भैया।।

गेजेट्स अपडेट

कैमरा के शौकीनों के लिए बेस्ट होगी आईफोन 18 की नई सीरीज, लॉन्च का है इंतजार

आईफोन 18 सीरीज की लॉन्चिंग का इंतजार बेसब्री से किया जा रहा है। इसे कई अपग्रेड के साथ लाया जाएगा। लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, इसमें उन दिक्कतों को भी दूर कर दिया जाएगा, जो पिछले कई साल से आईफोन यूजर्स को हैं। कंपनी इस बार कैमरा को बेहतर करने में लगी हुई है। जब बात क्लोज-अप या ग्रुप शॉट्स की हो तो शार्पनेस यूजर्स की उम्मीद से कम हो सकती है। लोकप्रिय टिप्स्टर Digital Chat Station (DCS) की नई लीक से पता चला है कि ऐपल आखिरकार iPhone 18 Pro लाइनअप के साथ इस कमी को दूर करने पर काम कर रहा है। इसमें मेन कैमरे पर एक वेरिएबल अपर्चर पेश किया जाएगा। अगर ऐसा होता है, तो यह उन अपग्रेड्स में से एक हो सकता है, जो सुनने और देखने में बहुत खास तो नहीं लगते हैं, लेकिन रोजमर्रा इस्तेमाल में काफी उपयोगी साबित होते हैं।

मौजूदा डिवाइस एक फिक्स्ड अपर्चर पर निर्भर रहते हैं, जिनमें iPhone v| Pro सीरीज भी शामिल है। यह ज्यादातर समय तो ठीक काम करता है, लेकिन ऐसी स्थितियों में इसे मुश्किल हो सकती है, जहां सीन में ज्यादा फ्लेक्सिबिलिटी की जरूरत हो। जैसे कि एकदम नजदीकी क्लोज-अप या बड़े ग्रुप शॉट्स। एक वेरिएबल अपर्चर इस स्थिति को अच्छे से संभाल लेता है, क्योंकि यह कैमरे को सीन के हिसाब से एडजस्ट करने की सुविधा देता है। इसका मतलब यह भी हो सकता है कम रोशनी में भी साफ फोटो आएं। हाइलाइट्स पर बेहतर कंट्रोल मिले। साथ ही, कैमरा फोकस भी पहले से कम चूकेगा या फिर फ्रेम को बैलेंस करने में कम मुश्किल होगी।

बड़े इंच का मेन सेंसर: इसके अलावा और भी बड़ी बड़े अपग्रेड मिलेंगे। इसमें टेलीफोटो लेंस के लिए बड़ा अपर्चर शामिल है। इसके अलावा, कंपनी 1/1.12 इंच के मेन सेंसर की तरफ भी जा रही है। इससे अल्ट्रा वाइड कैमरा के लिए बेहतर स्टेबलाइजेशन मिलेगा। इतना ही नहीं, रिपोर्ट के अनुसार, 200MP का पेरीस्कोप लेंस लाने पर भी काम कर ही है। लीक्स रिपोर्ट्स की मानें तो इसमें नए शूटिंग मोड्स मिलेंगे।

लॉन्च की बात करें तो iPhone 18 Pro सीरीज सितंबर के बीच में लॉन्च किया जा सकती है। फिलहाल, कंपनी ने इसकी लॉन्च डेट अनाउंस नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी इसके साथ अपना फोल्डेबल फोन भी ला सकती है।

अजब - गजब

कमर से जुड़ी जुड़वां बहनों की एक ही बच्चेदानी ,एक शादीशुदा तो दूसरी कुंवारी!

दुनिया में कई ऐसे लोग होते हैं जिनकी जिंदगी सामान्य से बिल्कुल अलग होती है। ऐसी ही एक अनोखी कहानी है जुड़वां बहनों कारमेन और लुपिता की, जो अपने शरीर से जुड़ी हुई हैं। ये दोनों बहनें कमर के नीचे से एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं और कई अंग साझा करती हैं। इनकी जिंदगी के हर पहलू में एक अलग ही चुनौती और खासियत देखने को मिलती है। कारमेन और लुपिता की उम्र 25 साल है और वे सोशल मीडिया पर अपनी जिंदगी से जुड़े अनुभव साझा करती रहती हैं। इनकी सबसे खास बात यह है कि इनके दो सिर हैं, लेकिन कमर के नीचे से इनकी बॉडी जुड़ी हुई है। दोनों के पास एक-एक पैर है, लेकिन वे एक ही लिवर, ब्लडस्ट्रीम और प्रजनन तंत्र यानी बच्चेदानी साझा करती हैं।

एक ने रचाई शादी: हाल ही में ये बहनें एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं, जब उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ और भविष्य की योजनाओं के बारे में खुलकर बात की। दरअसल, कारमेन ने अक्टूबर में अपने पति डैनियल मैककॉर्मैक के साथ शादी की पहली सालगिरह मनाई। दोनों की मुलाकात साल 2020 में एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी, जिसके बाद उन्होंने शादी का फैसला लिया। दिलचस्प बात यह है कि जहां कारमेन शादीशुदा हैं, वहीं लुपिता अभी भी सिंगल हैं। इस वजह से उनकी जिंदगी और भी अनोखी हो जाती है, क्योंकि दोनों एक ही शरीर साझा करती हैं लेकिन उनकी सोच और भावनाएं अलग-अलग हैं। लुपिता ने यह भी साफ किया है कि उन्हें अपनी बहन के पति से कोई खास लगाव नहीं है और यह उनकी व्यक्तिगत पसंद है।

पैदा करना चाहती है बच्चे: अब इन बहनों ने बच्चों की प्लानिंग को लेकर भी खुलासा किया है, जिसने लोगों को और भी हैरान कर दिया है। चूंकि दोनों एक ही बच्चेदानी साझा करती हैं, इसलिए यह सवाल उठता है कि अगर वे बच्चे पैदा करने का फैसला करती हैं, तो यह प्रक्रिया कैसे होगी। इस पर उन्होंने बताया कि वे इस बारे में सोच-समझकर ही कोई निर्णय लेंगी और डॉक्टरों की सलाह को प्राथमिकता देंगी। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह के मामलों में गर्भधारण और बच्चे का जन्म बेहद जटिल हो सकता है। इसमें कई मेडिकल जोखिम होते हैं, इसलिए हर कदम बहुत सावधानी से उठाना पड़ता है। यह केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी एक चुनौतीपूर्ण स्थिति होती है। सोशल मीडिया पर इन बहनों की कहानी लोगों को काफी आकर्षित कर रही ह। कई लोग इनके साहस और आत्मविश्वास की तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ लोग इनके जीवन को लेकर जिज्ञासा भी जाहिर कर रहे हैं।

पार्षद ने CMO की शर्ट में ठूंस दी चूड़ियां, दफ्तर में मचा बवाल

मुरैना। जिले के अंबाह नगर पालिका परिषद कार्यालय में बड़ा बवाल देखने को मिला। यहां गुरुवार को पार्षद और सीएमओ के बीच विवाद हो गया। विवाद की वजह नपा क्षेत्र में जगह-जगह फैला कचरा और गंदगी थी। मामले का वीडियो सोशल भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में पार्षद सीएमओ को चूड़ियां देने का प्रयास कर रहा है।दरअसल, वार्ड 6 के निर्दलीय पार्षद विक्रम सिंह तोमर अपने वार्ड की समस्याओं को लेकर पिछले दो दिनों से सीएमओ से मिलने का प्रयास कर रहे थे। सीएमओ के अवकाश पर होने के कारण मुलाकात नहीं हो सकी। गुरुवार को सीएमओ के कार्यालय पहुंचने पर पार्षद ने विरोध स्वरूप चौंकाने वाला कदम उठाया। वह अपने समर्थकों के साथ सीधे सीएमओ कार्यालय पहुंच गए। यहां निर्दलीय पार्षद विक्रम सिंह तोमर ने सीएमओ शारिब कौसर को चूड़ियां देने का प्रयास किया। उनके मना करने पर उनकी शर्ट में चूड़ियां डाल दी। घटना के बाद नगर पालिका कार्यालय में कुछ समय के लिए तनाव भरा माहौल रहा। पार्षद का आरोप है कि वार्ड में कचरा, नाले-नालियों की सफाई और विकास कार्यों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने वर्ष 2022 से 2026 तक नगर पालिका द्वारा कराई गई सामग्री सप्लाई का विवरण भी मांगा है और रेतपुरा क्षेत्र में कचरा डालने पर रोक लगाने की मांग की है। पार्षदों का कहना है कि अगर जल्द ही शहर की सफाई व्यवस्था और जल निकासी की समस्या का समाधान नहीं किया गया।

नागपुर हाइवे पर पथरोटा नहर के पास का मामला

हाइवे पर पकड़ी अवैध शराब की खेप, 6.45 लाख का माल जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

नर्मदापुरम/इटारसी। दोपहर मेट्रो

नागपुर हाइवे पर पथरोटा नहर के पास पुलिस नें शुक्रवार को एक सफेद रंग की कार से भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त की गई। इस कार्रवाई से इलाके में अवैध शराब की होम डिलीवरी करने वालों में हड़कंप मच गया। सूत्रों के अनुसार, केसला की ओर से इटारसी आ रही अवैध शराब की खेप का इनपुट इटारसी और पथरोटा दोनों थानों को पहले से मिल चुका था। मुखबिर की टिप पर पथरोटा पुलिस 11 मुखी मंदिर के पास निगरानी कर रही थी, लेकिन चालक ट्रैफिक का फायदा उठाकर निकल गया। इटारसी पुलिस ने पथरोटा नहर के पास कार का इंतजार किया और उसे पकड़ लिया। कार का नंबर एमपी 04 सीडब्ल्यू 0952 है।

पुलिस कों तलाशी में कार से 10 पेटी प्लेन शराब, सिग्नेचर, 8 पीएम, ब्लेंडर्स प्राइड, नंबर वन व्हिस्की सहित कुल 16 पेटी अंग्रेजी शराब और 2 पेटी बीयर बरामद हुई। कुल 26 पेटी शराब की मात्रा 241.200 लीटर थी, जिसकी कीमत 6,45,000 रुपये आंकी गई। पुलिस ने कार सहित सारा माल जब्त कर लिया। थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला नें बताया कि कार चालक ने अपना नाम अब्दुल जाहिद अंसारी (32 वर्ष, भाट मोहल्ला, इटारसी) और बगल वाले ने हेमंत राजपूत (54 वर्ष, गांधी नगर, इटारसी) बताया। पूछताछ में शराब संदीप मिहानी (भाट मोहल्ला) की बताई गई, जिसे आरोपी बनाया गया है। बाकी आरोपियों की तलाश जारी है। अवैध शराब कि इस कार्रवाही मे थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला,उनि विपिन पाल, प्र.आर. मनमोहन अहिरवार, प्र.आर. रामनारायण, आर. महेन्द्र गुर्जर, आर. साकिर, आर. बंसत, आर. अनिल पाल और आर. अंकित गौर की अहम भूमिका रही। विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने अगस्त 2025 में मध्य प्रदेश विधानसभा के शून्यकाल में नर्मदापुरम और इटारसी में अवैध शराब के कारोबार का मुद्दा उठाया था, जिसमें उन्होंने बताया कि जगह-जगह अवैध शराब की होम डिलीवरी की जा रही है। वही कांग्रेस जिला अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडे नें भी पूर्व मे इटारसी के ढाबों, खुलेआम अवैध शराब परोसे जाने की शिकायत एसपी से की गई थी।

शराब माफियाओं के बीच बना तनातनी का माहौल

शहर में नए शराब ठेकों के आवंटन के बाद लायसेंसी शराब ठेकेदारों और अवैध शराब माफियाओं के बीच तनातनी का माहौल बन गया है। करोड़ों रुपये की लायसेंस फीस देकर ठेके संचालित कर रहे ठेकेदार अपने क्षेत्रों में फल-फूल रहे अवैध शराब कारोबार को समाप्त करना चाहते हैं, ताकि उनकी दुकानों पर शराब की बिक्री बढ़े। लेकिन अलग-अलग इलाकों से चल रहे अवैध धंधे ठेकेदारों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। नतीजतन, ठेकेदारों के कर्मचारी शहर के चप्पे-चप्पे पर नजरें गाड़े अवैध शराब के परिवहन को रोकने में जुटे हैं। सूत्रों के अनुसार, ठेकेदारों की निगाहें शहर से अवैध शराब तस्करों पर पूरी तरह जम चुकी हैं। हाल ही में मालवीय गंज क्षेत्र में अवैध शराब की सूचना मिलते ही ठेकेदारों के कर्मचारी दबिश देने पहुंचे। वहां दोनों पक्षों के बीच तू-तू मैं-मैं हो गई, लेकिन समय रहते पुलिस पहुंच गई और मामला शांत हो गया। यदि ऐसी खींचतान इसी तरह चलती रही, तो शहर में बड़े अपराध की घटना होने से इंकार नहीं किया जा सकता। क्राइम के पुराने पन्ने पलटें तो शराब के कारोबार को लेकर अतीत में कई संगीन वारदातें हो चुकी हैं। शहरवासी अब चिंतित हैं कि कहीं यह तनाव बड़े हादसे का रूप न ले ले।

ग्राम सुरांगी में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में दिए दिशा-निर्देश, कलेक्टर बोले-

जब तीन किमी पर है डॉक्टर तो 5 किलोमीटर दूर झोलाछाप के पास इलाज कराने क्यों जा रहे?

सतना। दोपहर मेट्रो

मझगवां विकासखंड के ग्राम सुरांगी में कुपोषण से बालिका सुप्रांशी की मौत के बाद आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति प्रमुख मुद्दा रही। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने व्यवस्थागत खामियों पर तीखे सवाल उठाए, जिनका संतोषजनक जवाब अधिकारियों के पास नहीं था। उन्होंने कुपोषण से निपटने और स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार के लिए तत्काल प्रभाव से एसओपी तैयार कर उसे सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने पूछा कि जब आपका कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) बस्ती से 3 किलोमीटर दूर है, तो ग्रामीण 5 किलोमीटर दूर झोलाछाप चिकित्सक के पास क्यों जा रहे हैं। इस सवाल का जवाब देते आंधकारियों से नहीं बना और चुप्पी साधे बैठे रहे।कलेक्टर ने इसे मैदानी स्वास्थ्य सेवाओं की विफलता बताया। बैठक में सीएमएचओ डॉ. मनोज शुक्ला और जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास राजीव सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

झोलाछाप चिकित्सकों पर सख्ती के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी आशा और एएनएम अपने क्षेत्रों में ऐसे लोगों की सूची तैयार करें। यह सूची जिले के अधिकारी चेक करें। जो योग्य हैं लेकिन लाइसेंस नहीं है, उन्हें वैधानिक प्रक्रिया में लाया जाए, जबकि अवैध रूप से इलाज कर रहे झोलाछाप लोगों के खिलाफ अभियान चलाकर बीएमओ, राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम कार्रवाई करें। क्लिनिक सील करें और एफआईआर दर्ज कराएं। कुपोषित बालिका सुप्रांशी की मौत पर बीएमओ ने माना कि यदि 15 दिन पहले सही इलाज मिलता तो उसे बचाया जा सकता था। इस पर कलेक्टर ने कहा कि झोलाछाप चिकित्सक स्थिति बिगाड़ रहे हैं, इसलिए इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। साथ ही मैदानी अमले को संवेदनशील बनाकर जिम्मेदारियों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि शिशु और मातृ मृत्यु दर कम हो सके।पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में खाली बेड मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई। जिले में औसत 83 प्रतिशत बेड भरे पाए गए। मझगवां में 82 और कोठी में 70 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी मिलने पर यहां के सीडीपीओ, बीपीएम और बीसीएम को शो-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। जिला कार्यक्रम अधिकारी को एनआरसी का नोडल अधिकारी नियुक्त करने निर्देशित किया।

कुपोषित बच्चों की सूची का होगा वाचन

कलेक्टर ने कुपोषण शिविरों में अनुपस्थित बच्चों का वाचन करने के निर्देश दिए। अनुपस्थित प्रत्येक बच्चे की स्थिति पूछी जाएगी और जरूरत पड़ने पर स्वास्थ्य अमला घर जाकर जांच करेगा। आरबीएसके टीम को 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों की जांच पर फोकस करने को कहा गया। जहां एएनएम नहीं है, वहां सीएचओ द्वारा टीकाकरण सुनिश्चित करने और लापरवाही पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बांधवगढ़ बफर जोन में वाटर पार्क पर सवाल

किस नियम से मिली अनुमति तेज साउंड से वन्यजीवों पर खतरा

उमरिया। दोपहर मेट्रो

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बफर जोन में संचालित कैलाश वाटर पार्क को लेकर नए विवाद खड़े हो गए हैं। पर्यावरण प्रेमियों और स्थानीय नागरिकों ने सवाल उठाया है कि आखिर वन क्षेत्र के संवेदनशील बफर जोन में इस तरह के मनोरंजन स्थल को किस नियम के तहत अनुमति दी गई है।

जानकारी के अनुसार, बफर जोन का उद्देश्य वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखना होता है। यहां किसी भी प्रकार की गतिविधि के लिए सख्त पर्यावरणीय और वन विभाग की अनुमति आवश्यक होती है। ऐसे में वाटर पार्क जैसे व्यावसायिक गतिविधियों को अनुमति मिलना कई सवाल खड़े करता है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि वाटर पार्क में तेज आवाज में म्यूजिक और डीजे का उपयोग किया जाता है, जिससे आसपास के वन क्षेत्र में रहने वाले वन्यजीवों पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि बफर जोन में ध्वनि प्रदूषण नियंत्रित रखना अनिवार्य होता है, क्योंकि तेज आवाज से वन्यजीवों के व्यवहार और मूवमेंट पर असर पड़ता है।

वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की गाइडलाइंस के तहत टाइगर रिजर्व के कोर और बफर क्षेत्र में किसी भी प्रकार की गतिविधि को नियंत्रित किया जाता है, जिससे पर्यावरण संतुलन बना रहे। तेज साउंड, भीड़भाड़ और व्यावसायिक गतिविधियां नियमों के विपरीत मानी जाती हैं, यदि उनकी अनुमति स्पष्ट रूप से न हो। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि कैलाश वाटर पार्क को किन शर्तों पर और किस विभाग से अनुमति मिली। क्या पर्यावरणीय स्वीकृति और वन विभाग की सहमति ली गई है, या नियमों की अनदेखी कर संचालन किया जा रहा है।

विधायक ने किया बोर का भूमिपूजन

89 लाख से विकसित होगा सुविधायुक्त स्पोर्ट्स ग्राउंड

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शहर के मध्य स्थित एसजीएस कॉलेज का खेल मैदान अब आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होने जा रहा है। शुक्रवार को विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने मैदान में बोरवेल का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही खिलाड़ियों की वर्षों पुरानी पेयजल समस्या के समाधान की शुरुआत हो गई। बोरिंग पूर्ण होने के बाद यहां हैंडपंप लगाया जाएगा, जिससे खिलाड़ियों को अभ्यास के दौरान पानी के लिए इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में विधायक हरिसिंह रघुवंशी के साथ नगर पालिका उपाध्यक्ष संदीप ठाकुर, बासौदा व्यापार महासंघ अध्यक्ष विपिन तिवारी, कॉलेज प्राचार्य नरेंद्र सिंह ठाकुर सहित खेल प्रेमी और खिलाड़ी मौजूद रहे।

गौरतलब है कि एसजीएस कॉलेज का खेल मैदान नगर का प्रमुख मैदान है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे, युवा और युवतियां विभिन्न खेलों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अभ्यास करते हैं। लंबे समय से यहां मूलभूत सुविधाओं के अभाव में खिलाड़ियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। कई बार खिलाड़ियों ने जनप्रतिनिधियों के समक्ष व्यवस्थित खेल मैदान की मांग रखी थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गंजबासौदा आगमन के दौरान भी यह मांग प्रमुखता से उठाई गई थी। खिलाड़ियों की मांग को गंभीरता से लेते हुए विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने विधायक निधि से मैदान विकास का प्रस्ताव तैयार कराया, जिसकी प्रारंभिक स्वीकृति करीब 89 लाख रुपए की मिली है। विधायक ने बताया कि आगामी समय में मैदान को सुविधायुक्त स्पोर्ट्स ग्राउंड के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अंतर्गत मैदान के चारों ओर बाउंड्री वॉल, दर्शकों के लिए बैठक व्यवस्था, खिलाड़ियों के लिए बालक एवं बालिका वॉश एरिया, बालिकाओं के लिए चेंजिंग रूम सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। अगले एक से सवा वर्ष में यहां बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। नगर के युवा क्रिकेटर युजवेंद्र प्रताप सिंह (नीटू) ने बताया कि बोरिंग और हैंडपंप लगने से पानी की समस्या पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि विधायक के प्रयास से खिलाड़ियों को बड़ी सौगात मिली है। वहीं खिलाड़ी राहुल यादव ने बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद इस मैदान से हर वर्ष बड़ी संख्या में युवा सेना और पुलिस सेवाओं में चयनित हो रहे हैं। इस वर्ष 7 युवाओं का आर्मी में, 7 युवतियों और 11 युवाओं का मध्यप्रदेश पुलिस में चयन हुआ है। उन्होंने कहा कि सुविधाएं बढ़ने के बाद यह संख्या और बढ़ सकती है।

बाल विवाह पर प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई

नाबालिग का बाल विवाह रुकवाया

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

ग्यारसपुर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम खनदा में 15 वर्षीय नाबालिग बालिका का होने जा रहा बाल विवाह प्रशासन और सामाजिक संस्था की तत्परता से रुकवा दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन एवं महिला बाल विकास विभाग को सूचना मिली थी कि ग्राम खनदा में नाबालिग बालिका का विवाह कराया जा रहा है। सूचना मिलते ही मामला जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीता कांस्वा एवं सहायक संचालक विवेक शर्मा के संज्ञान में लाया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी के निर्देश पर बाल विवाह रोकथाम प्रभारी मुकेश ताम्रकार को तत्काल मौके पर भेजा गया। टीम ने बालिका के परिजनों से चर्चा कर दस्तावेजों की जांच की, जिसमें बालिका की उम्र 15 वर्ष पाई गई। पूछताछ में परिजनों ने बताया कि बारात दमोह जिले से आने वाली है। इसके बाद टीम ने पंचनामा तैयार कर परिजनों एवं रिश्तेदारों को बाल विवाह के दुष्परिणाम और कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर समझाइश दी। तत्पश्चात बालिका को सुरक्षित संरक्षण में लेकर वन स्टॉप सेंटर विदिशा लाया गया। अधिकारियों ने बताया कि बालिका को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत कर आगामी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान जिला प्रभारी दीपा शर्मा, बाल विवाह रोकथाम प्रभारी मुकेश ताम्रकार, थाना प्रभारी ग्यारसपुर गोकुल अजमेरिया, शिवाली लखेरा, सब इंस्पेक्टर धीरज सिंह, एएसआई डी.एस. माजी, प्रधान आरक्षक विमल चौहान, अभिषेक बघेल एवं आरक्षक देवेंद्र सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

1 का 80 रुपए बनाने का लालच

सट्टा कारोबार से लोग बर्बाद, मुख्य संचालक पकड़ से दूर

उमरिया। दोपहर मेट्रो

उमरिया जिला मुख्यालय में लंबे समय से अवैध सट्टा कारोबार चलने की खबरें सामने आ रही हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, एक कथित सट्टा संचालक लोगों को 1 का 80 रुपए बनाने का लालच देकर इस अवैध धंधे में फंसा रहा है। बताया जा रहा है कि इस लालच में आकर कई लोग अपनी मेहनत की कमाई गंवा चुके हैं, जिससे कई परिवार आर्थिक संकट में आ गए हैं। खासतौर पर युवाओं और कम आय वर्ग के लोगों को इस जाल में फंसाया जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस द्वारा कई बार सट्टे की पत्ती काटने वाले छोटे एजेंटों को पकड़ा गया है, लेकिन मुख्य संचालक तक कार्रवाई नहीं पहुंच पाई है। इससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं।

मेट्रो एंकर

जनपद की बैठक में पेयजल संकट पर सख्ती

नल-जल योजना दुरुस्त करने और हैंडपंप सुधारने पर जोर

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत की सामान्य सभा की बैठक जनपद पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जनपद पंचायत अध्यक्ष नीतू देवेन्द्र सिंह रघुवंशी ने की। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

ग्रीष्मकाल को देखते हुए बैठक में पेयजल संकट प्रमुख मुद्दा रहा। अध्यक्ष नीतू रघुवंशी ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों में नल-जल योजनाओं को तत्काल दुरुस्त किया जाए तथा खराब पड़े हैंडपंपों की शीघ्र मरम्मत कराई जाए, ताकि ग्रामीणों को गर्मी के मौसम में पानी की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नल-जल योजनाओं की मोटर समय पर चालू हो सके, इसके लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था प्रभावित नहीं होना चाहिए। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी अनुभा जैन, जनपद पंचायत सीईओ तपस्या जैन सहित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, विद्युत विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि विभाग, आजीविका मिशन, पशु चिकित्सा विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित सभी विभागों के प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान विभागवार योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट ली गई तथा लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जनपद अध्यक्ष ने कहा कि आमजन से जुड़े कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

तेंदुए से जान बचाकर भाग रहा था बछड़ा, दोनों बिना मुंडेर के कुएं में गिरे, 14 घंटे तक साथ में रहे

दुश्मन बने सहारा, तेंदुए पर पैर डालकर बैठा रहा बछड़ा

पन्ना। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के पन्ना से एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां दक्षिण पन्ना वनमंडल अंतर्गत रैपुरा रेंज की अलौनी बीट के पास ग्राम मक्केपाला में शुक्रवार को एक बेहद रोचक घटना सामने आई। शिकार की तलाश में भटकते तेंदुए ने बछड़े को शिकार बनाना चाहा। बछड़ा जान बचाकर भागने लगा, तभी दोनों बिना मुंडेर के कुएं में जा गिरे। करीब 14 घंटे तक दोनों बिना मुंडेर के कुएं में ही रहे और जब दोनों की जान पर संकट आया तो कुछ ऐसा हुआ जिसे देखकर रेस्क्यू करने पहुंची टीम के सदस्य भी देखकर हैरान रह गए। बिना मुंडेर के कुएं में गिरने से तेंदुए और बछड़े दोनों की जान पर बन आई। करीब 14 घंटे तक दोनों ही कुएं में रहे लेकिन न तो तेंदुए ने बछड़े का शिकार किया और न ही बछड़ा तेंदुए से डरा। इस दौरान बछड़ा कभी तेंदुएं के ऊपर जाकर बैठ जाता तो कभी तेंदुए को चाटता और दुलार करता। तेंदुए ने भी बछड़े पर न तो हमला किया और न ही कोई नुकसान पहुंचाया। जब मौके पर पहुंचे रेस्क्यू दल ने कुएं में तेंदुए के ऊपर बछड़े को पैर रखकर बैठे देखा तो वो भी हैरान रह गए।

रेस्क्यू कर तेंदुए और बछड़े को कुएं से निकाला

वन विभाग ने लकड़ी के लट्ठों को आपस में बांधकर और उन पर रस्सियां कसकर एक मजबूत अस्थायी सीढ़ी तैयार की। इसे सावधानीपूर्वक कुएं में उतारा गया, ताकि तेंदुआ आसानी से ऊपर चढ़ सके। साथ ही पूरी रणनीति इस तरह बनाई गई कि बाहर निकलते ही तेंदुआ गांव की तरफ न जाए, बल्कि सीधे जंगल की दिशा में निकल जाए। घंटों की मशक्त के बाद दक्षिण वन मंडल पन्ना की टीम की मेहनत काम आई और तेंदुआ सीढ़ी के सहारे बाहर आया और तेजी से नजदीकी वन क्षेत्र की ओर चला गया। इसके बाद बछड़े को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया।

डीएफओ ने दी जानकारी

डीएफओ अनुपम शर्मा ने बताया, यह पूरी घटना रैपुरा वन परिक्षेत्र के अलौनी गेट के पास ग्राम मक्के पाला गुरु-शुक्रवार की दरम्यानी रात की है। भूख और प्यास से भटकता हुआ तेंदुआ देर रात मक्के पाला पहुंचा। जहां उसे एक बछड़ा दिख गया। तेंदुएं ने बछड़े पर हमले का प्रयास किया तो वह जान बचाकर भागने लगा। तभी बछड़ा गांव के अंदर बिना मुंडेर के कुएं में जा गिरा, पीछे आ रहा तेंदुआ भी कुएं में गिर गया। शुक्रवार सुबह 11 बजे कुछ ग्रामीणों को कुएं के अंदर से आवाज आई तो उन्होने अंदर झांका। मामले की सूचना वन विभाग को दी इसके बाद वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और रेस्क्यू कर दोनों को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाला।

न्यूज विंडो

कुक्षी में अनाज दुकान में चोरी करने वाला आदतन अपराधी चंद घंटों में गिरफ्तार

धार। कुक्षी पुलिस ने अनाज दुकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले बदमाश को कुछ ही घंटो के अंदर चोरी किए गए माल के साथ गिरफ्तार किया है। फरियादी अक्षय पिता अशोक डुंगस्वाल निवासी गायत्री कॉलोनी ने पुलिस को सूचना दी थी कि 22 अप्रैल की रात उन्होंने अलीराजपुर रोड स्थित अपनी अनाज की दुकान बंद की थी। अगली सुबह जब वे दुकान पहुंचे, तो गल्ले का ताला टूटा हुआ मिला और वहां रखे नकदी व जेवरात गायब थे। शिकायत पर थाना कुक्षी पुलिस अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मामले में एसडीओपी सुनील गुप्ता के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी राजेश यादव ने तुरंत गश्त टीम को सक्रिय किया। टीम ने घेराबंदी कर संदेही हेमंत उर्फ वाकडी, निवासी जोशी गली, कुक्षी को हिरासत में लिया। पुलिस टीम ने आरोपी के कब्जें से 30 हजार की नगदी, 3 चांदी के सिक्के, स्वर्ण रंग का लॉकेट जप्त किया। पुलिस के अनुसार, पकड़ा गया आरोपी हेमंत उर्फ वाकडी पटेतपुरा आवली थाने का निगरानी बदमाश है और उसके खिलाफ पहले से ही चोरी के कुल 15 प्रकरण दर्ज हैं। आरोपी आसपास के थाना क्षेत्रों में भी सक्रिय रहकर वारदातों को अंजाम देता था।

निरीक्षण हुआ, संवाद गायब, अनूपपुर में पत्रकारों से दूरी पर उठे सवाल

अनूपपुर। मंडल प्रबंधक राकेश रंजन के अनूपपुर रेलवे स्टेशन निरीक्षण के दौरान एक बात खास तौर पर चर्चा का विषय बन गई,वह थी पत्रकारों से बनाई गई दूरी। निरीक्षण तो हुआ, व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया गया, लेकिन जमीनी हकीकत सामने रखने वाले पत्रकारों से संवाद की कड़ी जैसे जानबूझकर कमजोर कर दी गई। अनूपपुर जिले के पत्रकार हमेशा से रेलवे से जुड़ी समस्याओं को सजगता और निर्भीकता के साथ उठाते रहे हैं। चाहे प्लेटफॉर्म की अव्यवस्थाएं हों, ट्रेनों की लेटलतीफी, यात्री सुविधाओं की कमी या स्थानीय यात्रियों की परेशानियां, इन मुद्दों को बिना किसी लाग-लपेट के प्रशासन तक पहुंचाने का काम पत्रकारों ने बखूबी निभाया है। यही नहीं, वे केवल समस्याएं उजागर करने तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उनके समाधान तक पहुंचने का भी निरंतर प्रयास करते रहे हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यही सजगता और स्पष्टता अब असहजता का कारण बन रही है क्या समस्याओं को खुलकर सामने रखने की आदत ही पत्रकारों को संवाद से दूर रखने की वजह बन गई। रेलवे प्रशासन का यह रुख कहीं न कहीं पारदर्शिता पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। निरीक्षण केवल औपचारिकता बनकर रह जाए और जमीनी आवाजों को अनसुना कर दिया जाए, तो सुधार की उम्मीदें भी अधूरी ही रह जाती हैं।

सागर के बहेरिया थाना क्षेत्र की घटना

क्रेशर खदान में नहाते वक्त 3 दोस्त गहरे पानी में डूबे; एक का शव बरामद, दो की तलाश जारी

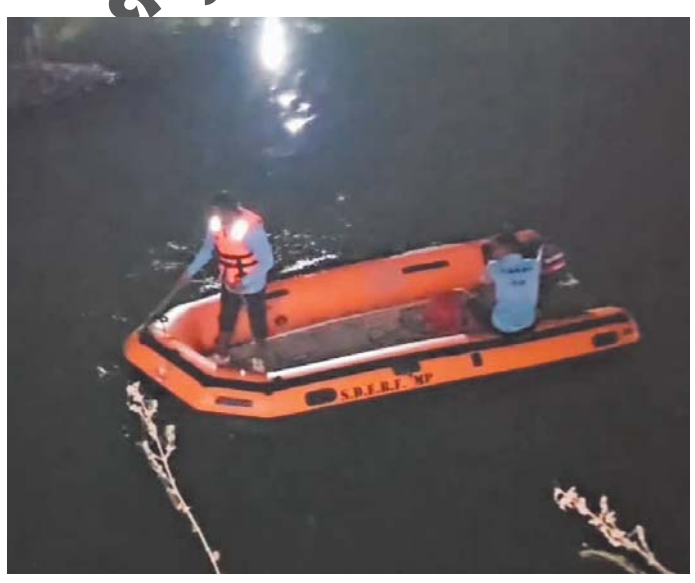

सागर। दोपहर मेट्रो

सागर के बहेरिया थाना क्षेत्र में गत दिवस एक बड़ा हादसा हुआ है। ग्राम गुड़ा के पास स्थित एक क्रेशर खदान में नहाने गए तीन युवक पानी में डूब गए। सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान एक युवक का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि दो अन्य की तलाश जारी है। यह सभी युवक सागर शहर के रहने वाले हैं।

प्रत्यक्षदर्शी शिवा वाल्मिकी ने बताया कि दोपहर करीब 12:30 बजे चार दोस्त खदान पर नहाने पहुंचे थे। नहाते समय तनीश कोरी अचानक गहरे पानी में जाने लगा और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए अभिषेक और तेजराम ने पानी में छलांग लगा दी, लेकिन वे भी खुद को संभाल नहीं पाए और डूब गए। इस दौरान चौथे साथी आयुष ने भी उन्हें बचाने की कोशिश की, जिसे अन्य दोस्तों ने पकड़ लिया था, लेकिन बाकी साथियों ने पैंट फेंककर आयुष को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया, पर अन्य तीनों पानी में समा गए।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

हादसे की खबर मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल एसडीआरएफ की टीम को बुलाया। टीम ने सर्चिंग ऑपरेशन शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद अभिषेक उर्फ अध्धा (20 वर्ष), निवासी कैंट का शव बरामद कर लिया है वही तनीश कोरी (19 वर्ष) और तेजराम पटेल (20 वर्ष) अभी लापता है जिनकी तलाश जारी है।

प्रशासन की अपील

देर शाम तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अंधेरा होने के कारण सर्चिंग में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन शेष दो युवकों की तलाश के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन ने एक बार फिर युवाओं से असुरक्षित खदानों और गहरे जल स्रोतों से दूर रहने की अपील की है। वहीं, इस हादसे की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर नरयावली विधायक प्रदीप लारिया पहुंचे उन्होंने मौजूद अधिकारियों से रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ली। शनिवार सुबह होते ही टीम ने खोज अभियान को और तेज किया है।

अज्ञात कारणों के चलते युवक ने लगाई फांसी, पड़ताल जारी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र के अंतर्गत सैलवाड़ा ग्राम में अज्ञात कारणों के चलते एक व्यक्ति द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने का मामला सामने आया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार शुक्रवार की सुबह 4 बजे शौच क्रिया करने गए युवक का शव गांव के बाहर एक महुआ के पेड़ से लटकता हुआ मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया घटना की सूचना जैसे ही परिजनों को लगी तो वह मौके पर पहुंचे और पुलिस सूचना दी गई परिजनों द्वारा बताया गया प्रीतम यादव उम्र 25 वर्ष निवासी सैलवाड़ा थाना तेंदूखेड़ा है, जो कि सुबह शौच क्रिया करने के लिए निकला था लेकिन सुबह उसका शव पेड़ पर लटकता हुआ मिला है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से उतरकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेन्दूखेड़ा भेजा गया जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है पुल के अनुसार मामला अभी अज्ञात है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

अवैध शराब के साथ दो युवकों को किया गिरफ्तार

छोटा माछलिया में घर से बरामद की अंग्रेजी शराब की पेटियां

धार/राजगढ़। दोपहर मेट्रो

माछलिया क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब परिवहन एवं विक्रय को लेकर कार्रवाई की हैं। पुलिस टीम ने कुल 9 पेटी अवैध शराब के साथ 2 आरोपियो को गिरफ्तार किया है। राजगढ़ थाना प्रभारी समीर पाटीदार ने बताया कि धार एसपी मयंक अवस्थी के निर्देश पर तथा एएसपी पारुल बेलापुरकर व एसडीओपी विश्वदीप सिंह परिहार के मार्गदर्शन में पुलिस टीम को सफलता मिली हैं। पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक स्कोडा कार द्वारा माछलिया क्षेत्र में अवैध रूप से अंग्रेजी शराब सप्लाई की जा रही है। सूचना की

तस्दीक हेतु पुलिस टीम को रवाना किया गया।

टीम द्वारा ग्राम छोटा माछलिया में संदेही धनसिह बिलवाल के घर दबिश दी गई। पूछताछ में आरोपी धनसिंह ने अवैध रुप से शराब रखना स्वीकार किया तथा तलाशी लेने पर घर के कमरे में कंबल से ढंकी हुई कुल 9 पेटी शराब कीमत 96 हजार 480 रुपये की जप्त की गई। आरोपी धनसिंह से पूछताछ करने पर उसने बताया की उक्त शराब स्कोडा कार क्रमांक एमपी 09 सीजी 6261 से रामचंद्र लोधा निवासी सादलपुर द्वारा सप्लाई की गई थी। पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए माछलिया घाट से आरोपी रामचन्द्र पिता अमरसिंह लोधा निवासी सादलपुर को पकड़ा गया तथा आरोपी के कब्जे से स्कोडा कार जप्त की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियो के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया हैं। उक्त कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक जितेंद्र सांकला, प्रधान आरक्षक विपीन कटारा व गोपाल परमार, आरक्षक मुकेश परमार, अंकित, अमित व दिलीप की भूमिका रही हैं।

मेट्रो एंकर

बहेरिया में रुद्र महायज्ञ-चौथे दिन आस्था का सैलाब

राम जन्मोत्सव प्रसंग सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा जनपद क्षेत्र के बहेरिया ग्राम में आयोजित भव्य रुद्र महायज्ञ के चौथे दिन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अभूतपूर्व संगम देखने को मिला। सुबह से ही यज्ञ स्थल पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और दिनभर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती रही। पूरे परिसर में वेद मंत्रों की गूंज, हवन की पवित्र आहुति और हर-हर महादेव व जय श्रीराम के जयघोष से वातावरण पूर्णतः भक्तिमय बना रहा।

महायज्ञ के अंतर्गत आयोजित श्रीराम कथा में कथा वाचक सुश्री प्रीति देवी ने राम जन्मोत्सव प्रसंग का अत्यंत मार्मिक और जीवंत वर्णन प्रस्तुत किया। भगवान श्रीराम के जन्म का दृश्य ऐसा साकार हुआ कि पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कई श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं, तो कई भक्त भक्ति में झूमते नजर आए। पूरा वातावरण भक्ति और उल्लास से सराबोर हो गया।

कथा वाचक ने अपने प्रवचन में कहा कि भगवान श्रीराम केवल एक देवता ही नहीं, बल्कि आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा हैं। उनका चरित्र सत्य, मर्यादा, कर्तव्य और त्याग का सर्वोच्च उदाहरण है, जिसे अपनाकर समाज में सुख-शांति

और समरसता लाई जा सकती है। इस अवसर पर यज्ञाचार्य गोपाल शास्त्री ने रुद्र महिमा का विस्तृत वर्णन करते हुए बताया कि भगवान शिव की उपासना से न केवल आध्यात्मिक उन्नति होती है, बल्कि जीवन के कष्टों का भी निवारण होता है। उन्होंने कहा कि रुद्र महायज्ञ से वातावरण की शुद्धि, सकारात्मक ऊर्जा का संचार और समाज में सुख-समृद्धि का प्रसार होता है। 21 अप्रेल से प्रारंभ हुए बहेरिया में चल रहे रुद्र महायज्ञ का आज चतुर्थ दिवस रहा जो 1 मई तक चलेगा जिसमे प्रतिदिन सुबह आवाहित देवी देवताओं का पूजन और फिर रुद्राभिषेक शाम को राम कथा और रात्रि में रामलीला का मंचन कार्यक्रम को और भी आनंदित कर रहा है आयोजन प्रेरक नागा बाबा जालंधर भारती यज्ञ में वर्णित आचार्य मनेंद्र तिवारी,रोहित द्विवेदी,रत्नेश पाठक सहित सभी विप्र बंधुओं ने शाम को भब्भ आरती की जिसमें सभी याज्ञिक यजमान उपस्थित रहे

चुनाव नजदीक आते ही सक्रिय हुए दावेदार

चार साल तक जनता से दूरी पर सवाल, अब बैठकों का दौर शुरू

शहडोल। दोपहर मेट्रो

संभाग की अधिकांश नगर पालिकाओं में चुनावी सरगर्मियां तेज होते ही संभावित पार्षद और अध्यक्ष पद के दावेदारों की अचानक सक्रियता देखने को मिल रही है। हालात ऐसे बनते नजर आ रहे हैं मानो कुकुरमुत्तों की तरह नए-नए चेहरे मैदान में उतर आए हों। मोहल्लों में बैठकों का दौर शुरू हो गया है, जनसंपर्क अभियान तेज हो गए हैं और हर कोई खुद को जनता का सच्चा हितैषी बताने में जुटा है।

हालांकि, यह तस्वीर जितनी चमकदार दिख रही है, उतनी ही चिंताजनक भी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यही दावेदार पिछले चार वर्षों तक क्षेत्र में नजर नहीं आए। जनसमस्याओं को लेकर न तो कोई पहल की गई और न ही जनता के बीच नियमित उपस्थिति दर्ज कराई गई। सड़क, पानी, सफाई और अन्य बुनियादी मुद्दों पर जब लोगों को जनप्रतिनिधियों की जरूरत थी, तब अधिकांश दावेदार गायब ही रहे।

अब जैसे ही चुनाव नजदीक आए हैं, वही चेहरे फिर से सक्रिय होकर जनता के बीच पहुंच रहे हैं। इससे मतदाताओं के बीच असंतोष भी देखने को मिल रहा है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जो नेता पूरे कार्यकाल में क्षेत्र से दूर रहे, क्या वे चुनाव जीतने के बाद वास्तव में जनसेवा करेंगे या फिर एक बार फिर जनता को निराशा हाथ लगेगी।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि मतदाताओं को इस बार सतर्क रहने की जरूरत है और उम्मीदवारों के पिछले कार्यकाल के प्रदर्शन को ध्यान में रखकर ही निर्णय लेना चाहिए। आने वाले चुनाव यह तय करेंगे कि जनता इस बार भावनाओं में बहती है या फिर जवाबदेही के आधार पर अपने प्रतिनिधि का चयन करती है।

नीलामी में करोड़ों में बिके

उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे ये पांच खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 का सफर लगभग आधा तय हो चुका है। कुछ खिलाड़ी इस सीजन अपने दमदार प्रदर्शन के बूते खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। हालांकि, कुछ खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जिनके लिए फ्रेंचाइजियों ने करोड़ों रुपये की बोली लगाकर उन्हें टीम में शामिल किया था, लेकिन इनका प्रदर्शन अब तक निराशाजनक ही रहा है।

कैमरन ग्रीन: ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर को खरीदने के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 25.20 करोड़ रुपये खर्च किए थे। हालांकि, ग्रीन ने इस सीजन खेले अब तक सात मुकाबलों में अपने प्रदर्शन से खासा निराश किया है। ग्रीन के बल्ले से सात पारियों में 27 की औसत और 151 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 162 रन निकले हैं। यह हाल तब है जब उन्हें ज्यादातर बल्लेबाजी करने का मौका शीर्ष क्रम में मिला है। शुरुआती चार मुकाबलों में ग्रीन पीठ की समस्या के कारण गेंदबाजी नहीं कर सके थे, जबकि आखिरी तीन मुकाबलों में गेंदबाजी करते हुए उन्होंने महज एक विकेट निकाला है और उनका इकोनॉमी 14.16 का रहा है।

लियाम लिविंगस्टन: इंग्लैंड के बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 13 करोड़ रुपये में खरीदा था। लिविंगस्टन से उम्मीद थी कि वह अपनी तूफानी बल्लेबाजी से अकेले दम पर मुकाबलों का रुख पलटेंगे। हालांकि, इंग्लिश बल्लेबाज फिलहाल इस सीजन बुरी तरह से संघर्ष करता नजर आया है। उन्हें दो मुकाबलों में बल्लेबाजी करने का मौका मिला है, जिसमें उन्होंने सिर्फ 15 रन बनाए हैं।

कार्तिक शर्मा: चेन्नई सुपर किंग्स ने विकेटकीपर-बल्लेबाज कार्तिक शर्मा के लिए नीलामी पर कई फ्रेंचाइजियों से जंग लड़ने के बाद उन्हें 14.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। हर किसी की नजरें कार्तिक की बल्लेबाजी पर थीं, लेकिन आईपीएल 2026 में वह अब तक बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके हैं।

फिन एलेन: कोलकाता नाइट राइडर्स ने फिन एलेन को दो करोड़ रुपये खर्च करते हुए टीम में शामिल किया था। एलेन ने टी20 विश्व कप 2026 में सिर्फ 33 गेंदों में शतक लगाया था। यही वजह थी कि आईपीएल 2026 में उनकी तूफानी बल्लेबाजी देखने को हर कोई बेकरार था। हालांकि, न्यूजीलैंड का यह बल्लेबाज अब तक उम्मीदों पर अब तक खरा नहीं उतर सका है। एलेन ने पांच पारियों में 16.20 की औसत से महज 81 रन ही बनाए हैं।

ग्लेन फिलिप्स: न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स को गुजरात टाइटंस ने दो करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, फिलिप्स अपने प्रदर्शन से उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके हैं। उन्होंने छह मुकाबलों में 16.75 की औसत और 124 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए सिर्फ 67 रन बनाए हैं। तूफानी बल्लेबाजी के लिए मशहूर फिलिप्स का स्ट्राइक रेट टूर्नामेंट में सिर्फ 124.07 का रहा है। फीलिडंग में लेकिन उनका दम दिख रहा है।

आरसीबी ने 206 रन का लक्ष्य 18.5 ओवर में कर लिया हासिल

विराट कोहली का 0 पर कैच छोड़ना, 3 ओवर में बाउंड्री ना मारना... कैप्टन शुभमन गिल ने खुद खोली हार की पोल!

बेंगलुरू , एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलरु ने गुजरात टाइटन्स को 5 विकेट से हराकर आईपीएल 2026 में शानदार जीत दर्ज की। एम। चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए इस मुकाबले में आरसीबी ने 206 रन का लक्ष्य 18।5 ओवर में हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 20 ओवर में 205/3 का बड़ा स्कोर बनाया, जिसमें साई सुदर्शन ने शानदार शतक जड़ा। लेकिन उनका यह शतक टीम को जीत नहीं दिला सका।

जवाब में RCB के लिए विराट कोहली (81) और देवदत्त पडिक्कल (55) ने मैच जिताऊ पारी खेली। दोनों ने मिडिल ओवर्स में रन गति तेज रखी और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। आरसीबी की टीम अब पॉइंट टेबल में नंबर 2 पर पहुंच गई है। मैच के बाद तज्ञ कप्तान शुभमन गिल ने हार की वजह साफ तौर पर बताई। उन्होंने कहा कि 16वें से 19वें ओवर के बीच टीम एक भी बाउंड्री नहीं लगा सकी, जो मैच का टर्निंग पॉइंट बना।

गिल ने यह भी माना कि पावरप्ले के बाद विकेट लेने में टीम नाकाम रही, जिससे आरसीबी को मैच में वापसी का मौका मिला। उन्होंने कहा कि गेंदबाजी में निरंतर सही लेंथ नहीं रख पाए, जो इस विकेट पर जरूरी था। सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब कोहली का कैच 0 पर छोड़ दिया गया। गिल ने माना कि ऐसे मौके मैच का रुख बदल देते हैं और टीम को इसकी कीमत चुकानी पड़ी। न्होंने क्रुणाल पंड्या की गेंदबाजी का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी धीमी गेंदें पिच पर पकड़ बना रही थीं, इसलिए जोखिम लेकर विकेट लेने की कोशिश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली।

साई सुदर्शन के प्रदर्शन पर क्या बोले गिल?

साई सुदर्शन के प्रदर्शन पर गिल ने कहा कि पिछले कुछ मैचों में आउट होने के तरीके से वह निराश थे, लेकिन इस मुकाबले में उन्होंने शानदार वापसी की। साथ ही मजाकिया अंदाज में कहा कि अगले मैच में उन्हें पावरप्ले में थोड़ा ज्यादा स्ट्राइक देनी होगी। स जीत के साथ ऋष्क्रने दिखा दिया कि मिडिल ओवर्स में आक्रामक बल्लेबाजी और मौके का फायदा उठाना ही टी20 क्रिकेट में असली अंतर पैदा करता है।

आईपीएल 2026 : दोनों टीमें जरूरी अंक हासिल करने की करेगी कोशिश

घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने हैदराबाद के खिलाफ उतरेगा राजस्थान

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में शनिवार को जब सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैदान पर उतरेगी, तो उसकी कोशिश अपने घरेलू मैदान पर दबदबा कायम रखने के साथ-साथ दोनों टीमों के बीच हुए पिछले मुकाबले का हिसाब बराबर करने की भी होगी। यह मुकाबला आईपीएल के इस चरण में बेहद अहम माना जा रहा है, जहां दोनों टीमें जरूरी अंक हासिल करने की कोशिश में होंगी।

सनराइजर्स ने प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की शानदार गेंदबाजी के बूते दोनों टीमों के बीच 13 अप्रैल को खेले गए पहले चरण के मुकाबले को 57 रन से जीता था। रॉयल्स ने हालांकि उस हार से उबरते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 40 रन की जीत से अच्छी वापसी की है। टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। सनराइजर्स हैदराबाद इस सत्र में उतार-चढ़ाव से गुजरते हुए चौथे स्थान पर है, लेकिन उनकी आक्रामक बल्लेबाजी किसी भी टीम के लिए खतरा बनी हुई है। रॉयल्स को दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले मुकाबले में हर विभाग (पावरप्ले, मध्य ओवर और आखिरी ओवर) में संघर्ष करना पड़ा था, और टीम इस बार माकूल जवाब देने के इरादे से उतरेगी।

ताकतवर है हैदराबाद की बल्लेबाजी

सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी की ताकत उनके शीर्ष क्रम में है, जहां इशान किशन और हेनरिक क्लासेन पहले ही कई मौकों पर आक्रामक प्रदर्शन कर चुके हैं। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने वाले अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड भी तेज शुरुआत देने की कोशिश करेंगे। हिंगे और साकिब दोनों ने रॉयल्स के खिलाफ अपने आईपीएल पदार्पण में चार-चार विकेट लिए, लेकिन सनराइजर्स की गेंदबाजी अपेक्षाकृत अनुभवहीन है। टीम कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में संघर्ष कर रही है, हालांकि हाल के मैचों में कुछ सुधार देखने को मिला है। रॉयल्स की टीम मध्यक्रम की बल्लेबाजी को छोड़कर लगभग हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। टीम के नाम सात मैचों में पांच जीत हैं। उनकी बल्लेबाजी की रीढ़ युवा खिलाड़ियों पर टिकी है। यशस्वी जायसवाल ने 245 रन बनाकर स्थिरता और आक्रामकता दोनों दिखाई है। पंद्रह वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी 254 रनों के साथ टीम के शीर्ष स्कोरर हैं और उनका स्ट्राइक रेट 220 से ऊपर है। गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर ने 11 विकेट लेकर टीम की अगुवाई की है और वे इस मैच में भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। वहीं अनुभवी हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने पिछले मैच में नाबाद 43 रन और एक महत्वपूर्ण विकेट लेकर टीम को जीत दिलाई थी और वे इस मुकाबले में भी आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे।

बीसीबी के फैसले से पाक को लगा झटका, PSL के लिए मुस्तफिजुर को दिया एनओसी वापस लिया

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने पाकिस्तान को झटका दिया है। दरअसल, बीसीबी ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के मौजूदा सीजन में खेलने के लिए तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दिया था, लेकिन अब इसे वापस ले लिया गया है। यह फैसला न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे के बाद उनकी चिकित्सकीय समीक्षा के आधार पर लिया गया। बीसीबी ने कहा, न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे के समापन के बाद टीम के चिकित्सा स्टाफ ने राष्ट्रीय टीम के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान की स्थिति की समीक्षा की है। आगे की जांच के लिए उनका तत्काल स्कैन कराया जाएगा, जिसके बाद वे बीसीबी मेडिकल टीम की देखरेख में पुनर्वास कार्यक्रम शुरू करेंगे। मुस्तफिजुर को पूर्व में जारी एनओसी वापस ले लिया गया है। इसलिए वे पीएसएल 2026 के शेष मुकाबलों में भाग नहीं ले पाएंगे।

आईपीएल से हटाए जाने के बाद पीएसएल में खेल रहे थे मुस्तफिजुर

मालूम हो कि मुस्तफिजुर को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल 2026 के दौरान अपनी टीम से रिलीज कर दिया था। इसके बाद वे लाहौर कलंदर्स के लिए खेल रहे थे और इस सत्र में पांच मैचों में छह विकेट ले चुके थे। बीसीबी ने एक अन्य फैसले में यह भी पुष्टि की कि युवा तेज गेंदबाज नाहिद राणा को भी पीएसएल 2026 के लिए रिलीज नहीं किया जाएगा। यह कदम अगले महीने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए उन्हें पर्याप्त समय देने के उद्देश्य से उठाया गया है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

जैकी भगनानी के सिचुएशनशिप वाले बयान पर रकुल प्रीत ने दी सफाई, बोलीं

'सिर्फ एक लाइन बन जाती हैं सुर्खियां'

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत और एक्टर, प्रोड्यूसर जैकी भगनानी साल 2024 में शादी के बंधन में बंधे थे। इससे पहले दोनों रिलेशनशिप में भी रहे। दोनों एक-दूसरे को अच्छे से जानते समझते हैं और प्यार करते हैं। लेकिन जैकी भगनानी के हालिया इंटरव्यू ने फैंस के मन में इनके रिश्ते को लेकर सवाल खड़े कर दिए। दरअसल, जैकी भगनानी ने रकुल के साथ अपने रिश्ते को सिचुएशनशिप का नाम दिया। सिचुएशनशिप का नाम उस रिश्ते को दिया जाता है, जिसे लेकर भविष्य में कोई प्लानिंग कपल नहीं बनाना चाहते हैं। इस पूरे मामले पर अब रकुल ने भी अपना नजरिया रखा है।

रकुल प्रीत ने अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की - जैकी भगनानी के सिचुएशनशिप वाले बयान पर बढ़ते बवाल को देखते हुए शुक्रवार को रकुल प्रीत ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट की। इसमें वह लिखती हैं, 'आज हम इस बात पर खूब हंसे कि कैसे एक घंटे लंबी बातचीत में से सिर्फ एक लाइन अचानक से सुर्खियां बन जाती है। मेरा मानना है कि हर बात में संदर्भ मायने रखता है। बारीकियां मायने रखती हैं। हमारी बातचीत इससे बेहतर की हकदार है, उसे सिर्फ क्लिकबेट बनाकर रख दिया गया। शायद अब समय आ गया है कि प्लेटफॉर्म उन कहानियों के लिए थोड़ी और जिम्मेदारी लें जो वे बनाते हैं।'

क्या बोली थीं जैकी भगनानी

बीते दिनों एक इंटरव्यू जैकी भगनानी और रकुल ने दिया था। इसी बातचीत में जैकी भगनानी ने कहा था, 'रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं, शादी इसी वजह से हुई है। लेकिन सबसे खास बात यह है कि मैं रकुल से हर बात खुलकर कह सकता हूं। अगर रकुल के आस-पास होने पर मेरी कोई एक्स गर्लफ्रेंड मुझे फोन करती है, तो मैं फोन स्पीकर पर डाला देता हूं। मैं अपनी पत्नी से कुछ भी नहीं छिपाता।

गृहणियों को घर का सुपरस्टार मानते हैं अक्षय कुमार

उनकी जिंदगी पर फिल्म बनाने की मंशा

मुंबई । फिल्म इंडस्ट्री को हर जॉनर की एक से बढ़कर एक फिल्में देने वाले अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने क्विज रियलिटी शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून के सेट पर गृहणियों पर फिल्म बनाने की मंशा जताई। अक्षय कुमार ने गृहणियों को सम्मान देते हुए उन्हें घर का सुपरस्टार का खिताब दिया। अभिनेता ने व्हील ऑफ फॉर्च्यून के सेट पर यह घोषणा की। अक्षय कुमार इस शो के होस्ट हैं। शो के दौरान सेट पर तुम हो ना नामक दूसरे रियलिटी शो की प्रतियोगी अंकिता, पूजा और दिव्या भी मौजूद थीं। उन्होंने इन तीनों महिलाओं से बातचीत करते हुए अपनी फिल्म की परिकल्पना साझा की।

अक्षय ने कहा, बहुत समय से मैं एक फिल्म बनाने की कोशिश कर रहा हूं। यह फिल्म महिलाओं पर आधारित होगी, जहां पूरी दुनिया उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमती है। मेरे पास इसकी पूरी स्क्रिप्ट तैयार पड़ी है। बस मैं इंतजार कर रहा हूं कि कोई इस फिल्म को बनाने के लिए तैयार हो जाए। अभिनेता ने बताया कि घर संभालने वाली महिलाओं की अनदेखी मेहनत को वह बड़े पर्दे पर लाना चाहते हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार होने के बावजूद अभी प्रोडक्शन और

निर्देशक को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। उन्होंने गृहणियों की ताकत, जज्बे और उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को फिल्म में दिखाने की इच्छा जताई। तुम हो ना शो में इन प्रतियोगियों की यात्रा ठीक उसी विषय को छूती है जिसे अक्षय अपनी फिल्म में पेश करना चाहते हैं। उनकी यह बात दिल को छू लेने वाली रही और सेट पर मौजूद सभी लोगों ने उनकी इस सोच का समर्थन किया। अक्षय कुमार अब टेलीविजन पर भी सक्रि य हैं। व्हील ऑफ फॉर्च्यून के पहले सीजन की सफलता के बाद वह शो के दूसरे सीजन को होस्ट कर रहे हैं, जो दर्शकों को पसंद आ रहा है।

मेट्रो बाजार

भारत 6जी लॉन्च की तैयारी में, 600 मेगाहट्र्ज बैंड की वैधता बढ़ाई गई

नई दिल्ली । भारत 6जी सेवाओं की शुरुआत की तैयारी कर रहा है, और इसके लिए 600 मेगाहट्र्ज (एमएचजेड) स्पेक्ट्रम बैंड की वैधता बढ़ा दी गई है, जिसे अगली पीढ़ी के हाई-स्पीड इंटरनेट के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (टीआरएआई) के चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह बात कही। एनडीटीवी प्रॉफिट के अनुसार, उन्होंने बताया कि यह कदम देश में तेजी से बढ़ रही डेटा खपत को देखते हुए स्पेक्ट्रम की उपलब्धता बढ़ाने और नेटवर्क को अधिक कुशल बनाने की दिशा में उठाया गया है।

लाहोटी ने बताया कि टीआरएआई ने स्पेक्ट्रम के बेहतर उपयोग के लिए इंटर-बैंड स्पेक्ट्रम शेयरिंग और अतिरिक्त स्पेक्ट्रम को लीज पर देने जैसे सुझाव भी दिए हैं। रेगुलेटर ने टेलीकॉम कंपनियों के बीच इंफ्रास्ट्रक्चर शेयरिंग को बढ़ावा देने का भी प्रस्ताव रखा है। इसमें सरकार द्वारा बनाई गई सुविधाओं को साझा करना अनिवार्य होगा, जबकि निजी कंपनियां अपनी सुविधाएं स्वेच्छा से साझा कर सकेंगी।

टीआरएआई ने कैप्टिव नॉन-पब्लिक नेटवर्क के लिए भी गाइडलाइन जारी की है, जिससे कंपनियां अपने निजी 5जी नेटवर्क बना सकें। हालांकि, लाहोटी ने कहा कि यह क्षेत्र अभी उतना सफल नहीं हुआ है और इसे आगे बढ़ाने के लिए सभी पक्षों के बीच बेहतर सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सिर्फ मोबाइल नेटवर्क भविष्य की डेटा मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे, खासकर जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।

मिथोस एआई से अभूतपूर्व खतरे, बैंकों को सतर्क रहने की जरूरत: वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारतीय बैंक नई तकनीक से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार हैं, हालांकि उन्होंने एक नए एआई मॉडल से जुड़े खतरों को लेकर चिंता भी जताई। मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि एंथ्रोपिक के मिथोस एआई मॉडल से संभावित जोखिमों पर भारत नजर बनाए हुए है। यह मॉडल अपनी उन्नत क्षमताओं के कारण दुनिया भर में चर्चा में है।

वित्त मंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इस मामले में अन्य देशों की सरकारों और संस्थाओं के साथ मिलकर काम कर रहा है, ताकि इसके जोखिमों को समझा जा सके और बैंकिंग सिस्टम पर इसके असर का आकलन किया जा सके। उन्होंने कहा कि भारतीय बैंक मजबूत स्थिति में हैं, लेकिन तेजी से बदल रही एआई तकनीक के कारण ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। सीतारमण ने संकेत दिया कि मौजूदा नियम और सुरक्षा व्यवस्था को अपडेट करना पड़ सकता है, ताकि नई और जटिल तकनीकी चुनौतियों का सामना किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर बैंकों को आपस में मिलकर काम करने को कहा गया है। उनका यह बयान एक दिन बाद आया है, जब उन्होंने मिथोस एआई से जुड़े अभूतपूर्व खतरों की बात कही थी। भारतीय बैंक संघ इस विषय पर बैंकों के बीच चर्चा का नेतृत्व करेगा, ताकि पूरे सेक्टर की तैयारी को और मजबूत किया जा सके। इससे पहले इसी महीने, सीतारमण ने कहा था कि भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति और पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार के कारण आरबीआईके पास नीतिगत फैसले लेने की ज्यादा गुंजाइश है। 6 अप्रैल को राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान के कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि भारत के पास सरकारी खर्च जारी रखने, आरबीआई के लिए ब्याज दरें घटाने और जरूरतमंद सेक्टर को मदद देने की पर्याप्त क्षमता है। यह पिछले एक दशक की वित्तीय अनुशासन का परिणाम है।

न्यूज विंडो

चीन ने 50 परमाणु ऊर्जा रिएक्टर बनाने की हासिल की क्षमता

बीजिंग। चीन एक साथ 50 तक न्यूक्लियर रिएक्टर बना सकता है। देश के परमाणु प्राधिकरण ने यह बात तब कही है। चीन के परमाणु प्राधिकरण का बयान ऐसे समय पर आया है जब बीजिंग अमेरिका-ईरान जंग के बीच जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए अपने न्यूक्लियर ऊर्जा क्षेत्र का तेजी से विस्तार करने की तैयारी कर रहा है।

देश के न्यूक्लियर एनर्जी एसोसिएशन की ओर से इस हफ्ते जारी की गई एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, चीन के पास दर्जनों न्यूक्लियर परियोजनाओं को एक साथ चलाने की क्षमता है। इनमें डिजाइन से लेकर निर्माण तक पूरे प्रोजेक्ट का रोडमैप शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की न्यूक्लियर तकनीक की क्षमताएं नए स्तर तक पहुंच गई है, कई मामलों में तो यह काफी आगे भी निकल चुकी है।

अमरनाथ : सिक्योरिटी ऑडिट शुरू 42 हजार जवानों की तैनाती का प्रस्ताव

श्रीनगर। श्री अमरनाथ यात्रा 2026 को सुरक्षित, शांत व विश्वासपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने यात्रा मार्ग की सुरक्षा के लिए सिक्योरिटी ऑडिट शुरू किया है। इसी आकलन के आधार पर यात्रा का सुरक्षा कवच तैयार किया जाएगा।हर साल लाखों श्रद्धालु बाबा बर्फानी के लिए दर्शन के लिए आते हैं। वर्ष 1990 के बाद से लगातार आतंकियों के निशाने पर रही इस महत्वपूर्ण यात्रा पर 36 छोटे-बड़े आतंकी हमले हो चुके हैं। समुद्र तल से 3888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित श्री अमेरश्वर धाम में ही भगवान शिव ने मां पार्वती को अमरत्व की कथा सुनाई थी और इसलिए इसे श्री अमरनाथ की पवित्र गुफा पुकारा जाता है।आगामी तीन जुलाई से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा अगस्त में रक्षाबंधन के दिन संपन्न होगी। पहले की तरह पारंपरिक बालटाल और पहलगाम रूट से यात्रा पवित्र गुफा तक पहुंचेगी और वापसी करेगी। सूत्रों ने बताया कि सिक्योरिटी ऑडिट के आधार पर यात्रा मार्ग पर सुरक्षाबलों की तैनाती, जांच चौकियां और श्रद्धालुओं के आवागमन का समय और यात्री शिविरों की सुरक्षा को तय किया जाता है।

हाथियों का तांडव, पत्नी-बेटी को कुचलकर उतारा मौत के घाट

सरायकेला। चांडिल वन विभाग रेंज के ईचागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत सोड़ो पंचायत के हाड़ांत गांव में पांच जंगली हाथियों के झुंड ने शनिवार की तड़के तीन बजे पांव से कुचल कर और सूढ़ से उठाकर पटककर दो लोगों को मौत के घाट उतार दिया।जबकि एक व्यक्ति ने चौकी के नीचे छुप कर अपनी जान बचाई। जबकि दो घायलों को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती किया गया है।हाड़ांत गांव निवासी सतुला देवी और उसका पति मोहन महतो कमरे में सोये थे। धान की खुशबू सुंघकर हाथी वहां पहुंच गए और धान खाने के लिए उक्त मकान को तोड़ने लगे। जिससे मकान ध्वस्त होकर गिर गया और मकान के अन्दर सोये संतुला देवी व उनका पति मोहन महतो मलवे में दब गए।मलवे में दबे होने के बाद भी उनलोगों ने शोर मचाना शुरु किया तो पास के मकान में सोए उसके बेटे कमलचंद महतो, बहू चाईना देवी (37) व पोती अमिता बाला (13) की आंख खुल गई।मां व पिता की चिल्लाने की आवाज सुनकर जैसे ही वे कमरे से बाहर निकले, आंगन में हाथियों के झुंड ने उन्हें घेर लिया और वहीं, चाईना देवी व पोती अमिता कुमारी को कुचल कर मार दिया।

ट्रांसफार्मर में लगी आग, तीन इमारतों तक फैली, 14 को सुरक्षित निकाला

पूर्वी दिल्ली। लक्ष्मी नगर के रमेश पार्क इलाके में देर रात आग लग गई। नानक मोटर के पास लगी इस आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। दमकल को सात गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।दमकल विभाग के अनुसार आग एक इलेक्ट्रिक ट्रांसफॉर्मर में लगी, जो धीरे-धीरे फैलकर आसपास की तीन इमारतों तक पहुंच गई। आग की चपेट में कुल 14 फ्लैट आ गए। घटना के समय अधिकतर लोग अपने घरों में मौजूद थे। आग के चलते अफरातफरी मच गई।दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और सभी 14 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। प्रभावित फ्लैटों में रहने वाले लोगों को अस्थायी रूप से पड़ोसियों और परिचितों के यहां ठहराया गया है।

175 साल पुरानी मिट्टी से बनी इमारत में रहेंगी द्रौपदी मुर्मू

» 6 दिन के लिए दिल्ली से शिमला शिफ्ट होगा राष्ट्रपति कार्यालय

शिमला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 27 अप्रैल से दो मई तक शिमला प्रवास पर आ रही हैं, इसलिए इन छह दिनों के लिए राष्ट्रपति कार्यालय दिल्ली से शिमला शिफ्ट हो जाएगा। इसका एक कारण यह भी है कि राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास दिल्ली से बाहर सिर्फ शिमला और हैदराबाद में है। हिमाचल सरकार ने राष्ट्रपति के दौरे को लेकर सारी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के छह दिवसीय प्रवास के दौरान राष्ट्रपति भवन की सारी जरूरी फाइलें यहां लाई जाएंगी और राष्ट्रपति सचिवालय छह दिन तक शिमला से संचालित होगा। बता दें कि देश में केवल तीन राष्ट्रपति निवास हैं। उनमें सबसे पुराना राष्ट्रपति निवास शिमला के मशोबरा में है। पूर्व में इसे द रिट्रीट भी कहा जाता था। यह शिमला से 12 किलोमीटर दूर मशोबरा की शांत सुरम्य पहाड़ियों में स्थित है। राष्ट्रपति निवास मशोबरा 175 साल से भी अधिक पुराना है। इसकी निर्माण शैली धज्जी निर्माण वाली है। यहां लकड़ी और मिट्टी की दीवारें हैं। इस निर्माण शैली की खासियत यह है कि इस शैली में बनी इमारतों पर भूकंप का भी कोई असर नहीं होता।

पीटीआई को दिए इंटरव्यू में आरएसएस महासचिव होसबाले ने कहा-

मोदी हैं संगठन के सबसे अच्छे प्रतिनिधि भारत की वैश्विक लीडरशिप का भी दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संगठन के मूल्यों को अपने अनोखे और अलग तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने पीएम मोदी को आरएसएस का सबसे अच्छा प्रतिनिधि बताया। अमेरिका में समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू के दौरान होसबाले ने कहा कि आरएसएस ने अगले 25 वर्षों के लिए सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक जागरूकता, नागरिक अनुशासन, पारिवारिक मूल्यों और सतत विकास जैसे पांच प्रमुख लक्ष्य तय किए हैं।

भाजपा-आरएसएस का जुड़ाव आज भी कायम

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कई सरकारी अभियानों के जरिए इन्हीं विचारों को आगे बढ़ा रहे हैं, भले ही वे अलग शब्दों का इस्तेमाल करते हों। उदाहरण देते हुए उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी योजनाओं का जिक्र किया। होसबाले ने यह भी कहा कि आरएसएस के विचार स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा बताए गए पंच प्रण में भी दिखाई देते हैं। उनके अनुसार, ये सभी पहल संगठन की सोच से मेल खाती हैं। उन्होंने कहा कि 1980 में भाजपा के गठन के समय भी आरएसएस के साथ संबंध बनाए रखने की बात कही गई थी और यह जुड़ाव आज भी कायम है।

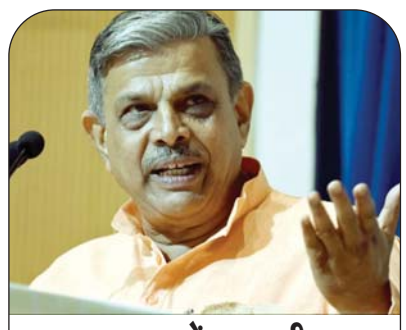

2047 में भारत की वैश्विक लीडरशिप

होसबाले ने कहा है कि वर्ष 2047 तक भारत न केवल आर्थिक रूप से मजबूत होगा, बल्कि वैश्विक मंच पर आध्यात्मिक नेतृत्व भी प्रदान करेगा। समाचार एजेंसी आईएएनएस को दिए साक्षात्कार में आरएसएस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर उन्होंने कहा कि संगठन का मानना है कि भारत धीरे-धीरे ऐसी स्थिति की ओर बढ़ रहा है, जहां वह अपनी आर्थिक शक्ति को अपनी सभ्यतागत मूल्यों के साथ जोड़कर दुनिया का मार्गदर्शन कर सकता है। होसबाले ने यह भी कहा कि आरएसएस का राष्ट्रीय जीवन के केंद्रीय मंच पर पहुंचना राजनीति, समाज और संस्कृति जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उसके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। उनके अनुसार, यह विकास राष्ट्रीय एकता और वैश्विक सद्भाव के व्यापक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में मदद कर रहा है।

इधर...बागेश्वर बाबा की हिन्दुओं से अपील

चार बच्चे पैदा करें , एक आरएसएस को दें...

महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान बागेश्वर धाम के पीठाधीश धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने ऐसा बयान दिया, जिसने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है।

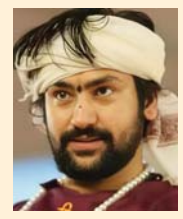

भारत दुर्गा शक्तिस्थल और धर्म सभा के शिलान्यास कार्यक्रम में उन्होंने लोगों से अपील की कि वे चार बच्चे पैदा करें और उनमें से एक को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को समर्पित करें। उनका यह बयान सामने आते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और विभिन्न वर्गों से प्रतिक्रियाएं आने लगीं।अपने संबोधन में शास्त्री ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि जब भी देश में कोई आपदा आती है, आम लोग अपनी जान बचाने के लिए भागते हैं, लेकिन आरएसएस के कार्यकर्ता मौके पर डटे रहते हैं और लोगों की मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समर्पित कार्यकर्ताओं की जरूरत देश को है, और इसी भावना के तहत उन्होंने बच्चों को राष्ट्र सेवा के लिए तैयार करने की बात कही।इस कार्यक्रम में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी मौजूद थे। इसके अलावा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी मंच पर उपस्थित रहे।

नीति आयोग: अशोक लाहिड़ी को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। देश के नीति निर्माण में सबसे अहम भूमिका निभाने वाले संस्थान नीति आयोग में पश्चिम बंगाल से दो प्रतिष्ठित नामों को एंट्री मिली है।

अर्थशास्त्री अशोक लाहिड़ी नीति आयोग के उपाध्यक्ष बनेंगे और जबकि वैज्ञानिक गोवर्धन दास की नियुक्ति सदस्य के तौर पर होगी। यह नियुक्तियां न केवल विशेषज्ञता का प्रतिनिधित्व करती हैं, बल्कि देश की नीति निर्माण प्रक्रिया में बंगाल के योगदान को भी सामने लाती हैं। लाहिड़ी सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार और 15वें वित्त आयोग के सदस्य हैं। जबकि गोवर्धन दास भोपाल स्थित भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के निदेशक हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की बागडोर संभालने के बाद 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में योजना आयोग की जगह नीति आयोग का गठन किया था। अब इस संस्था का नेतृत्व डॉ. अशोक लाहिड़ी करेंगे। उन्हें नीति आयोग के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। डॉ. अशोक लाहिड़ी देश के सबसे अनुभवी और वरिष्ठ अर्थशास्त्रियों में से एक हैं। उनका करियर 4 दशक से भी लंबा है। मुख्य आर्थिक सलाहकार से लेकर वित्त आयोग के सदस्य तक, डॉ. लाहिड़ी ने नीति-निर्माण के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

पवन खेड़ा के साथ खड़ी है पार्टी, कांग्रेस ने किया सुप्रीम कोर्ट जाने का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस पार्टी ने आज अपने वरिष्ठ नेता और मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा के प्रति एकजुटता जाहिर की है। दरअसल, गुवाहाटी हाईकोर्ट ने पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। इसके बाद कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि वह हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी।

कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए पवन खेड़ा का मजबूती से समर्थन किया। उन्होंने लिखा- पूरी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अपने मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा के साथ मजबूती से खड़ी है। गुवाहाटी उच्च न्यायालय के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी को पूरा भरोसा है कि धमकी, डराने-धमकाने और उत्पीड़न की राजनीति के खिलाफ अंततः न्याय की ही जीत होगी।

यह विवाद पवन खेड़ा द्वारा की गई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद शुरू हुआ। खेड़ा ने आरोप लगाया था कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट हैं और विदेशों में उनकी अघोषित संपत्तियां हैं। इन गंभीर आरोपों के बाद, मुख्यमंत्री की पत्नी रिनीकी भुइयां शर्मा ने गुवाहाटी क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में पवन खेड़ा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आपराधिक मामला दर्ज कराया था।

लोकतंत्र का सच्चा संकेत है तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भारी मतदान: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में हुए 92 प्रतिशत मतदान को देश के मजबूत लोकतांत्रिक प्रक्रिया का संकेत बताया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने यह टिप्पणी उस समय की, जब विशेष मतदाता सूची संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई चल रही थी।

टीएमसी सांसद और वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी ने कहा कि एक अच्छी बात यह हुई कि रिकॉर्ड मतदान हुआ, क्योंकि कई प्रवासी मजदूर अपने नाम मतदाता सूची से हटने के डर से वोट डालने के लिए राज्य लौट आए। इस पर कोर्ट ने मतदान में लोगों की भागीदारी को सकारात्मक संकेत बताया।

जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि मतदान के दौरान कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर कहीं बड़ी हिंसा नहीं हुई। वहीं मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि एक नागरिक के तौर पर उन्हें इतने बड़े स्तर पर मतदान देखकर खुशी हुई और लोगों को वोट देने में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।

लोकतंत्र में वोट की ताकत पर जोर

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि लोगों को लोकतंत्र में अपने वोट की ताकत को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब बड़ी संख्या में लोग मतदान करते हैं, तो हिंसा कम हो जाती है और यह दिखाता है कि जनता को अपनी ताकत का एहसास है।सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी कहा कि 92 प्रतिशत मतदान ऐतिहासिक है और सुरक्षा बलों ने हिंसा को नियंत्रित करने में अच्छा काम किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में पहले चुनावों के दौरान हिंसा का इतिहास रहा है, लेकिन इस बार स्थिति बेहतर रही।

मेट्रो एंकर सात राज्यसभा सांसदों के पाला बदलने से बदले समीकरण

पंजाब में सियासी भूचाल: भाजपा को लाभ, 'आप' का बिगड़ा गणित

चंडीगढ़, एजेंसी

आम आदमी पार्टी में बगावत के बाद पंजाब की राजनीति में बड़ा उलटफेर हो गया है। विधानसभा चुनाव से करीब नौ महीने पहले हुए इस घटनाक्रम ने सियासी समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। कल आप के सात राज्यसभा सांसदों ने पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। इनमें से छह सांसद पंजाब कोटे से हैं जबकि एक दिल्ली से जुड़ी हैं। इस घटनाक्रम से भाजपा को जहां राजनीतिक फायदा मिलने की उम्मीद है वहीं आप के सामने संगठन को संभालने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।बगावत करने वालों में राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, विक्रमजीत सिंह साहनी और राजेंद्र गुप्ता पंजाब से राज्यसभा सदस्य हैं जबकि स्वाति मालीवाल दिल्ली से ताल्लुक रखती हैं। वर्तमान में पंजाब में आप की सरकार है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने रिकॉर्ड 92 सीटें जीतकर सत्ता हासिल की थी जो उपचुनावों के बाद बढ़कर 95 हो चुकी हैं। पार्टी 2027 के चुनाव की तैयारी में जुटी थी लेकिन इस सियासी भूचाल ने उसका गणित बिगाड़ दिया है।मुख्यमंत्री भगवंत मान का कहना है कि इन सांसदों के जाने से पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा क्योंकि वे निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं हैं। इसके बावजूद यह साफ है कि आगामी चुनाव में यही नेता विरोधी खेमे में सक्रिय रहकर आप के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं।आप नेतृत्व को इस तरह की स्थिति का अंदेशा पहले से था। यही कारण रहा कि शुक्रवार सुबह से ही पार्टी नेताओं ने भाजपा और केंद्रीय नेतृत्व के खिलाफ बयानबाजी तेज कर दी थी। दोपहर तक घटनाक्रम साफ हो गया। अब मुख्यमंत्री भगवंत मान इस बगावत को भाजपा के खिलाफ बड़ा मुद्दा बनाकर जनता के बीच ले जाने की तैयारी में हैं।

भाजपा: बगावत को भुनाने की तैयारी

पंजाब में आप के खिलाफ बने इस नए राजनीतिक माहौल को भाजपा अवसर के रूप में देख रही है। वर्ष 2022 में भाजपा ने अकेले चुनाव लड़ते हुए 117 में से केवल 2 सीटें जीती थीं और उसका वोट प्रतिशत 6.6 फीसदी रहा था। ऐसे में पार्टी के पास खोने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है। अब आप से आए छह प्रभावशाली नेताओं के सहारे भाजपा अपने जनाधार को मजबूत करने की कोशिश करेगी।इन नेताओं की पंजाबी और बनिया वर्ग में अच्छी पकड़ मानी जाती है। भाजपा की रणनीति होगी कि इन चेहरों के प्रभाव को वोटों में बदला जाए। बगावत के बाद ये नेता आप की नीतियों और नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए पहले ही हमलावर रुख अपना चुके हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564